RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 124 ● भिलाई, मंगलवार 18 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

ट्रिब्यूनल ने ठहराया मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी

अपदस्थ पीएम शेख हसीना को सुनाई मौत की सजा....

ढाका/ एजेंसी

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ चल रहे एक मामले पर सोमवार को ढाका स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल-बांग्लादेश) की तरफ से फैसला सुनाया गया। ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी ठहराते हुए कहा कि वे अधिकतम सजा की हकदार हैं। इसी के साथ न्यायाधिकरण ने उन्हें मौत की सजा सुनाई। शेख हसीना के सहयोगी रहे देश के पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई गई। न्यायाधिकरण ने सोमवार को पारित अपने फैसले में कहा, पिछले साल के छात्र विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए सजाएं सुनाई गई हैं। न्यायाधिकरण ने कहा, 'ये फैसला निहत्थे नागरिकों पर की गई समन्वित हिंसा की गंभीरता' का सबूत है। बता दें कि ट्रिब्यूनल ने दोनों को उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-बांग्लादेश

(आईसीटी-बीडी) ने हसीना और असदुज्जमां खान कमाल के अलावा पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को भी इसी मामले में पांच साल के कारावास की सजा सुनाई। मामून हिरासत में हैं। उन्होंने मुकदमे की कार्यवाही के दौरान अपना अपराध स्वीकार कर सरकारी गवाह बनने का निर्णय ले लिया। इस पर न्यायाधिकरण की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा, उनके सहयोग से अभियोजन पक्ष को दोष सिद्ध करने में 'काफ़ी मदद' मिली। पूर्व गृह मंत्री कमाल को मौत की सजा सुनाते हुए, न्यायाधिकरण ने उनकी सभी चल और अचल संपत्तियों को जब्त करने का आदेश भी दिया। माना जाता है कि कमाल बांग्लादेश छोड़ने के बाद भारत में निर्वासन में रह रहे हैं। गैरहाजिरी में चलाए गए मुकदमे में अभियोजन पक्ष ने अधिकतम सजा की अपील करते हुए कहा, पूर्व गृह मंत्री कमाल ने 2024 में भड़की हिंसा के दौरान समन्वय करने वाले की 'मुख्य भूमिका' निभाई। गौरतलब है कि शेख हसीना इस वक्त भारत में हैं।

बेटे ने दी हिंसा की चेतावनी कहा-वह भारत में पूरी तरह सुरक्षित.....

बांग्लादेश में सत्ता से बेदखल की गई पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफचल रहे मानवता-विरोधी अपराधों के मामले में सोमवार को विशेष ट्रिब्यूनल अपना फैसला सुनाएगा। फैसला पूरी तरह टीवी पर लाइव दिखाया जाएगा। देश भर में माहौल तनावपूर्ण है, और ठीक इस फैसले से एक दिन पहले हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने बड़े बयान दिए हैं। 'अगर अवामी लीग पर लगा बैन नहीं हटाया गया तो फ़रवरी चुनाव नहीं होने देंगे। सजीब वाजेद ने कहा कि अवामी लीग के समर्थक फ़रवरी में होने वाले आम चुनावों को रोक देंगे अगर पार्टी पर लगा प्रतिबंध नहीं हटाया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि विरोध प्रदर्शन हिंसा का रूप भी ले सकते हैं। उनके मुताबिक, 'वे फैसला सुना देंगे, और शायद मौत की सजा भी देंगे। लेकिन मेरी मां सुरक्षित हैं। भारत उन्हें पूरा सुरक्षा दे रहा है और उन्हें राज्य प्रमुख जैसा सम्मान मिल रहा है। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना अगस्त 2024 में ढाका से भागकर दिल्ली पहुंची थीं और तब से वहीं रह रही हैं। उन्होंने पहले ही इस मुकदमे को 'राजनीतिक चाल' कहा था और दावा किया।

चुनाव परिणाम के खिलाफ कोर्ट जाएगा

बिहार में करारी हार के बाद तेजस्वी बने नेता प्रतिपक्ष.......

पटना/ एजेंसी

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और राघोपुर से नवनिर्वाचित विधायक तेजस्वी यादव को बिहार विधानसभा में विपक्ष का नेता चुना गया है। पटना स्थित तेजस्वी यादव के आवास पर राजद विधायकों की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। यह बैठक बिहार चुनाव में महागठबंधन की करारी हार की समीक्षा के लिए बुलाई गई थी, जहाँ गठबंधन को एनडीए से करारी हार का सामना करना पड़ा था। एनडीए ने बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से 202 सीटें हासिल कीं, जबकि महागठबंधन को केवल 35 सीटें मिलीं, जबकि राजद को केवल 25 सीटें मिलीं। तेजस्वी के करीबी सहयोगी संजय यादव जिन्हें लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार ठहराया है भी बैठक में मौजूद थे। गहन चर्चा के बाद, हार का कारण ईवीएम हैकिंग और चुनाव आयोग का पक्षपातपूर्ण रवैया बताया गया। रोहिणी आचार्य के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई, जिन्होंने हाल ही में अपने परिवार से संबंध तोड़ लिए थे और तेजस्वी तथा उनके करीबी सहयोगियों पर उन्हें गाली-गलौज करने तथा घर से बाहर निकालने का आरोप लगाया था। रविवार को एक्स पर साझा की गई कई भावुक पोस्ट में, रोहिणी आचार्य ने कहा कि अपने पिता को गंदी किडनी देने के लिए वह शापित हैं। उन्होंने दावा किया कि अब वह अनाथ महसूस कर रही हैं। 47 वर्षीय आचार्य ने विवाहित महिलाओं को सलाह दी कि अगर परिवार में बेटा है तो अपने पिता के लिए अपनी जान जोखिम में न डालें।

पहला कॉलम

ग्वालियर में 5 दोस्तों की ऑन स्पॉट मौत

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जहां बर्थडे पार्टी बनाकर लौट रहे पांच दोस्तों की मौत हो गई है। मृतक युवकों की तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार रेत से भरे ट्रैक्टर ट्राली के पीछे जा घुसी हैं। घटना सिरोल थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 44 सिकरौदा चौराहा की है। हादसे के बाद चालक ट्राली को वही छोड़ ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया है। पुलिस ने पांचो शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं हादसे को लेकर जांच में जुटी हुई है। दरअसल, ग्वालियर के सिरोल थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 44 सिकरौदा चौराहा ग्वालियर झांसी हाईवे पर रविवार सुबह रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली जा रही थी। तभी एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर गाड़ी उस ट्रैक्टर ट्राली के पीछे से जा घुसी। गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि गाड़ी में सवार पांच युवकों की ऑन स्पॉट मौत हो गई। यह देख राहगीरों ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर, एसएसपी और पुलिस फोर्स मौके पर जा पहुंचे।

कंटेनर ने पिकअप को मारी टक्कर, दो की मौत, तीन घायल

अयोध्या । रौनाही थाना क्षेत्र में सुबह अयोध्या से चलकर लखनऊ को जाने वाली पिकप नेशनल हाइवे पर स्थित लखौरी ओवर ब्रिज पर खराब हो गई। इस दौरान पिकप चालक ओवर ब्रिज पर खराब पिकप को ठीक कर रहा था। इसी दौरान एक डीसीएम भी आ गई। जिसे पिकप चालक ने रोका और डीसीएम चालक से भी खराब पिकप को ठीक करवाने में सहयोग मांग बैठा। दोनों वाहनों के चालक पिकप में गड़बड़ी देख रहे थे। इसी बीच पीछे से आ रहे एक कंटेनर चालक से अनियंत्रित होकर पिकअप में जबरदत टक्कर मार दी। इस सड़क दुर्घटना में पिकप सवार यात्री और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने पिकअप पर सामान लादकर ले जा रहे धीरेंद्र पुत्र परवीन निवासी बछरावां रायबरेली व पिकप चालक मान सिंह पुत्र रामपाल यादव सत्तू का पुरवा गोसाईगंज को आनन फानन में पुलिस ने सीएचसी सोहावल भेजवाया। वहां पर चिकित्सकों ने धीरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। जबकि पिकप चालक सहित तीन अन्य को जिला अस्पताल भेजा गया।

कलयुगी बेटा निकला माता-पिता का हत्यारा

कटनी। मध्य प्रदेश के कटनी में बीते दिनों लल्लू राम और उनकी पत्नी के हत्याकांड की गुत्थी सुलझ गई है। कलयुगी बेटे ने ही कुल्हाड़ी से वार कर उन्हें मौत के घाट उतारा था। मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पूरी घटना बड़वारा थाना क्षेत्र की है। दरअसल, मामला शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात निगहरा गांव का है। जहां संत कुमार श्रीवास नामक व्यक्ति के खेत की रखवाली कर रहे लल्लू राम कुशवाहा और उनकी पत्नी प्रभा कुशवाहा की बेरहमी से कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई थी। सुबह जब लोगों ने शव देखा तो पैरों तले जमीन खिसक गई। ग्रामीणों ने फौरन पुलिस को इसकी जानकारी दी।

ऑपरेशन सिंदूर 88 घंटे का ट्रेलर

पाक को देंगे पड़ोसी के साथ व्यवहार करने की सीख-उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

नई दिल्ली में आयोजित चाणक्य डिफेंस डायलॉग में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान, आतंकवाद, कश्मीर, मल्टी-डोमेन वॉरफेयर और मणिपुर की स्थिति पर कई अहम बातें कही। इस दौरान उनका पूरा संवाद भारत के आत्मविश्वास, तैयारी और बदलते सुरक्षा माहौल पर केंद्रित रहा।राज्य-प्रायोजित आतंकवाद पर कड़ा संदेश सेना प्रमुख ने दो-टूक कहा कि अगर कोई देश आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो वह भारत के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, 'भारत विकास की बात करता है। अगर कोई हमारी राह में बाधा डालेगा, तो हमें कार्रवाई करनी होगी।' 'नई सामान्य स्थिति यह है कि बातचीत और आतंक, दोनों साथ नहीं चल सकते।' 'जो लोग आतंकियों को बढ़ावा देते हैं, उन्हें भी हम उसी नजर से देखेंगे। भारत किसी ब्लैकमेल से डरता नहीं। जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की क्षमता का सिर्फएक झलक था। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर 88 घंटे में खत्म हुआ यह तो बस एक ट्रेलर था।' 'अगर पाकिस्तान मौका देगा, तो हम उसे सिखाएंगे कि पड़ोसी देश से कैसे जिम्मेदारी से व्यवहार किया जाता है।' 'हम हर परिस्थिति के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि आज युद्ध सिर्फजमीन पर नहीं, बल्कि कई डोमेन्स- जमीन, हवा, समुद्र, साइबर और अंतरिक्ष, में एक साथ लड़े जाते हैं।

कश्मीर में हालात बदले-2019 के बाद बड़ा फर्क

सेना प्रमुख ने कहा कि 5 अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर की स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। 'राजनीतिक स्पष्टता आई है और आतंकवाद में बड़ी गिरावट हुई है।' इस दौरान एलएसी, भारत-चीन संबंधों और कूटनीति पर बात करते हुए, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, 'सामान्य स्थिति लाने के लिए दोनों देशों के नेताओं के बीच बातचीत के बाद पिछले अक्तूबर से हमारे (भारत और चीन) संबंधों में काफ़ी सुधार हुआ है। वहीं मणिपुर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर सब ठीक रहा तो राष्ट्रपति का मणिपुर दौरा हो सकता है। उम्मीद से भरे दिन लौट रहे हैं।

जम्मू मण्डल ने चलाया विशेष टिकट चेकिंग अभियान

श्रीनगर। जम्मू मण्डल अपने सभी यात्रियों को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करने के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक , श्री उचित सिंघल के निर्देशन में विविध तरह के अभियान चलता रहता है । जम्मू मण्डल सभी यात्रियों को उत्तम भोजन, शुद्ध पेय जल, स्वच्छ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ टिकट रहित और अनियमित यात्रा करने वालो पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों एवं गाड़ियों में टिकट चेकिंग अभियान चलाता रहता है। इसी के साथ, दिनांक 14 नवंबर 2025, को मंडल में एक विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया।

एनआईए ने आतंकी उमर के दोस्त आमिर को किया था गिरफ्तार

आतंकवादी उमर के साथी आमिर को 10 दिन की एनआईए कस्टडी में भेजा,इसी के नाम पर थी कार

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में हुए एक बड़े आतंकी धमाके के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी उमर के साथी आमिर को पटियाला हाउस कोर्ट ने 10 दिनों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी की कस्टडी में भेज दिया है। यह फैसला एनआईए द्वारा अदालत में पेश की गई दलीलों और मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। कड़ी सुरक्षा के बीच आमिर को कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई बंद कमरे में की गई। साथ ही सुनवाई के दौरान मीडिया को भी जाने की अनुमति नहीं दी गई। आरोपी को जिला जज अंजू बजाज चांदना की अदालत में पेश किया गया था। दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए कार बम धमाके की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उस कश्मीरी निवासी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने आत्मघाती हमलावर के साथ मिलकर इस आतंकी वारदात को अंजाम देने की साजिश रची थी। इस हमले में 13 निर्दोष लोगों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 32 अन्य घायल हुए थे। एनआईए के

अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अमीर रशीद अली उस कार का पंजीकृत मालिक है, जिसका इस्तेमाल आत्मघाती हमलावर द्वारा धमाके में किया गया था। प्रारंभिक जांच से सामने आया है कि आरोपी ने हमलावर के साथ मिलकर पूरी योजना तैयार की थी। एजेंसी ने दिल्ली पुलिस से केस अपने हाथ में लेने के बाद आरोपी की तलाश के लिए व्यापक अभियान शुरू किया था। कई राज्यों में खोज अभियान चलाने के बाद आखिरकार अमीर रशीद अली को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। लाल किला के पास हुए धमाके में मारे गए बिलाल अहमद संगू का रविवार को भी पोस्टमार्टम नहीं हो सका।

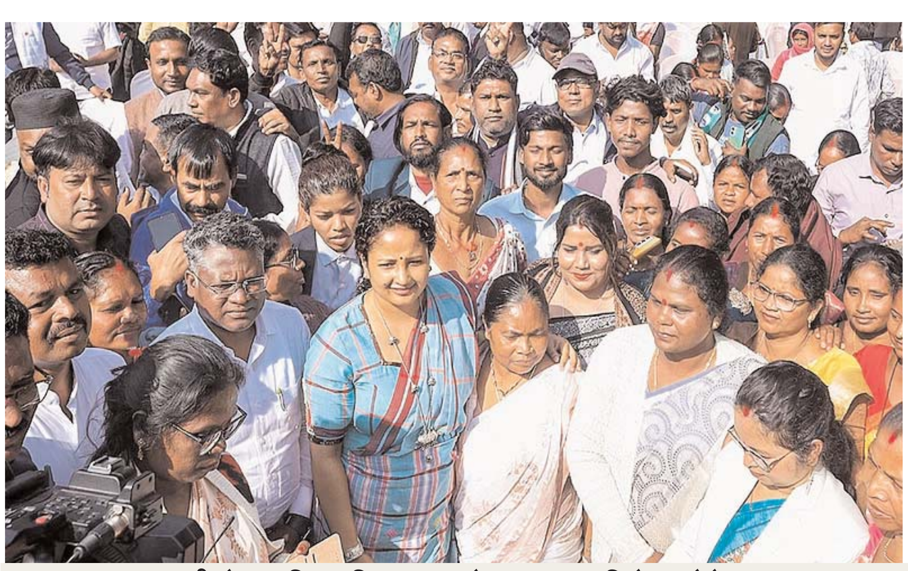

रांची में घाटशिला विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव विजेता सोमेश चंद्र सोरेन के साथ झामुमो विधायक कल्पना सोरेन।

19 नवंबर को भंग होगी बिहार विधानसभा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल को सौंपा प्रस्ताव

पटना/ एजेंसी

आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए बड़ा दिन है। पहले सीएम मंत्रिमंडल की बैठक में यह वर्तमान सरकार की अंतिम कैबिनेट खत्म हो गई। इस बैठक में 17वीं विधानसभा भंग करने की सिफारिश की गई। सभी मंत्रियों ने अपना इस्तीफा दे दिया। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे। वहां उन्होंने कुछ राज्यापल से बातचीत की। इसके बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को विधानसभा भंग करने का प्रस्ताव सौंप दिया। 19 नवंबर को मौजूदा विधानसभा भंग हो जाएगी। जनता दल यूनाईटेड विजय चौधरी ने कहा कि राजभवन में सीएम नीतीश कुमार ने विधानसभा भंग करने का प्रस्ताव राज्यपाल को सौंप दिया। मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में विधानसभा भंग करने की सिफारिश कर दी गई है। 20 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा।

सऊदी अरब में हुए एक भीषण सड़क हादसे

बस और टैंकर की भीषण टक्कर, 45 भारतीयों की मौत......

नई दिल्ली/ एजेंसी

सऊदी अरब में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई है। मरने वालों में अधिकतर हैदराबाद के निवासी थे। यह हादसा उस समय हुआ, जब उमराह के लिए गए लोगों को लेकर जा रही बस एक तेल के टैंकर से टकरा गई। सऊदी अरब के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसा मदीना के नजदीक हुआ और हादसे में मरने वाले भारतीय उमराह यात्री हैं। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त ने इसकी पुष्टि की है। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट्स के अनुसार, उमराह गए लोगों को लेकर बस मक्का से मदीना जा रही थी, जब वह रास्ते में डीजल टैंकर से टकरा गई। हादसा स्थानीय समय अनुसार, सुबह करीब 1.30 बजे मुहरास या मुफ्रिआत इलाके में हुआ, जो मदीना के करीब है। हादसे के समय कई यात्री सो रहे थे। टक्कर लगते ही बस आग की लपटों में घिर गई और लोगों को बचने का भी समय नहीं मिला। हादसा इतना भयानक था कि मृतकों की पहचान करना भी मुश्किल है। हादसे में 45 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हैदराबाद पुलिस आयुक्त ने बताया है कि सऊदी अरब में हुए बस हादसे में 45 लोगों की मौत हुई है और मरने वालों में अधिकतर हैदराबाद के निवासी हैं। मीडिया से बात करते हुए हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी

सज्जनार ने बताया कि 'बीती 9 नवंबर को हैदराबाद से 54 लोग उमराह के लिए जेद्दाह गए थे और इन लोगों को 23 नवंबर को वापस आना था। इन 54 में से चार लोग एक कार से मक्का से मदीना जा रहे थे और चार अन्य लोग मक्का में ही रुक गए थे। बाकी लोग हादसे का शिकार हुई बस में सफर कर रहे थे। हादसे के समय बस में 46 लोग सवार थे। हादसे में सिर्फएक व्यक्ति जीवित बचा है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।' पुलिस आयुक्त ने कहा कि हमें जो सूचना मिली है, उसके मुताबिक 45 लोग मारे गए हैं और ये लोग 23 नवंबर को हैदराबाद लौटने वाले थे। एआईएमआईएम विधायक माजिद हुसैन ने भी बताया कि हमें जो शुरुआती रिपोर्ट मिल रही है, उसके तहत हादसे में 40 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। हम पीड़ित परिवारों से संपर्क कर रहे हैं। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से हादसे में मारे गए लोगों के शवों को वापस भारत लाने में मदद की अपील की है।

बेमेतरा में छत्तीसगढ़ बांस तीर्थ संकल्पना समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न

भारत के सबसे ऊँचे 140 फीट बम्बू टावर पर मुख्यमंत्री ने किया ध्वजारोहण, बेमेतरा बना राष्ट्रीय आकर्षण का केंद्र

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के ग्राम कठिया में एक ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला, जब छत्तीसगढ़ बांस तीर्थ संकल्पना सम्मलेन कार्यक्रम के तहत भारत का सबसे बड़ा और 140 फीट ऊँचा बम्बू टावर समर्पित छत्तीसगढ़ बाँस तीर्थ संकल्पना समारोह का भव्य आयोजन हुआ। यह आयोजन न केवल बेमेतरा बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय बना। इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव तथा कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल की विशेष उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 140 फीट ऊँचे बम्बू टावर पर तिरंगा फहराते हुए कहा कि यह संरचना केवल बाँस का निर्माण नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की परंपरा, कौशल, नवाचार और व्यापक संभावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने बाँस का पौधा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण तथा बाँस आधारित कृषि के प्रसार की अपील की। मुख्यमंत्री ने समारोह स्थल पर स्थापित बाँस उत्पाद निर्माण इकाइयों, फैक्ट्रियों और प्रोसेसिंग केंद्रों का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों और कारीगरों से संवाद कर उनकी आजीविका के बारे में विस्तार से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ आज विकास, नवाचार और संरचनात्मक प्रगति के नए आयाम रच रहा है। विश्व का सबसे ऊँचा बैंबू टावर बनाकर राज्य ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। यह टावर हमारे राज्य के कौशल, कारीगरी और सामर्थ्य का अद्वितीय प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बाँस आधारित उद्योग– ग्रामीण अर्थव्यवस्था, हस्तशिल्प, एग्रो-इंडस्ट्री और आधुनिक निर्माण तकनीक–इन सभी क्षेत्रों में अपार संभावनाएँ पैदा कर रहे हैं। सरकार किसानों, कारीगरों और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की योजनाएँ लागू कर रही है।

बाँस–कम पानी में अधिक लाभ देने वाली फसल : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

अपने उदबोधन में उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि बदलते जलवायु और जलसंकट की स्थिति में बाँस की खेती किसानों के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। उन्होंने बताया जैसे कि बाँस कम पानी में तेजी से बढ़ता है। मिट्टी कटाव रोकता है और हरियाली बढ़ाता है। जल संतुलन बनाए रखने में अत्यंत उपयोगी है। बाजार में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि बेमेतरा जिला पिछले वर्षों में पानी की कमी से जूझता रहा है, ऐसे में पारंपरिक फसलों के साथ बाँस को अपनाकर किसान अपनी आय को दोगुना तक बढ़ा सकते हैं। बाँस आधारित उद्योग युवाओं के लिए व्यापक रोजगार अवसरों का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल ने कहा- बाँस–जल संरक्षण और ग्रामीण आय दोनों का समाधान

कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान बाँस आधारित उद्योगों और कुटीर इकाइयों का पूरा अवलोकन किया गया, जिसमें यह पाया गया कि बाँस की खेती और उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो सकते हैं, उन्होंने कहा कि बेमेतरा जिले में जलसंकट एक बड़ी चुनौती है, ऐसे में धान के विकल्प के रूप में बाँस की खेती अपनाना किसानों के लिए अत्यंत लाभदायक होगा। कम पानी में होने वाली यह फसल जल संरक्षण के साथ बड़े पैमाने पर स्थानीय रोजगार भी उत्पन्न करती है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे बाँस की खेती की ओर अग्रसर हों, जिससे उनकी आय बढ़ेगी और बेमेतरा का ग्रामीण तंत्र और अधिक मजबूत होगा।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की विशाल उपस्थिति

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, कलेक्टर रणबीर शर्मा, एसएसपी रामकृष्ण साहू, रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, जिलाध्यक्ष अजय साहू, महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री पाशा पटेल, पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, राजेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान, सरपंच, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

नवागढ़ में सर्वदलीय मंच का धमाकेदार आगाज, दुष्प्रचार, प्रताड़ना और भ्रमजाल के खिलाफ अब नवागढ़ एकजुट

बेमेतरा। नवागढ़ विधानसभा सामाजिक एकता और क्षेत्रीय जागरूकता की अनोखी मिसाल बना। पहली बार विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं ने एक मंच पर जुटकर सर्वदलीय मंच-नवागढ़ की औपचारिक शुरुआत की। सबसे प्रभावशाली क्षण रहा, मंच की प्रस्तावना, जिसे विकास धर दीवान ने सहज, साफ-सुथरे और तीखे शब्दों में रखा। उन्होंने कहा कि नवागढ़ का सम्मान किसी दल का नहीं, पूरे क्षेत्र का है। सच और न्याय की लड़ाई सामूहिक होगी। उनके वक्तव्य ने सभा में नई ऊर्जा भर दी। सुरेन्द्र तिवारी ने मंच का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि नवागढ़ लंबे समय से झूठे प्रचार और सोशल मीडिया आधारित भ्रमजाल से प्रभावित रहा है। यह मंच अब क्षेत्र के लिए सुरक्षा कवच बनेगा, उन्होंने कहा। जावेद खान ने इसे सच की लड़ाई लड़ने वाला मंच बताते हुए स्पष्ट कहा कि अब नवागढ़ को कोई गुमराह नहीं कर सकता।

नवागढ़ का नया संदेश

बैठक के समापन पर शक्तिधर दीवान ने सभा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि झूठ के खिलाफ हम, और सच के साथ नवागढ़। सर्वदलीय मंच का गठन सिर्फ एक बैठक नहीं, नवागढ़ के सामाजिक भविष्य का नया अध्याय है।

सरपंच–पत्रकार विवाद की सच्चाई उजागर होगी

सभा में हाल ही के सरपंच संघ-पत्रकार समाज विवाद पर भी खुलकर मंथन हुआ। प्रतिनिधियों ने स्वीकार किया कि कुछ व्यक्तियों ने अफवाहों का बवंडर खड़ा कर दोनों सरपंच-पत्रकार समुदायों को लड़ाने की कोशिश की। बैठक ने निर्णय लिया कि दुष्प्रचार फैलाने वालों की पहचान कर तथ्यानुसार जांच की मांग की जाएगी। मंच ने यह भी तय किया कि भविष्य में संवाद व्यवस्था इतनी मजबूत की जाएगी कि किसी भी भ्रम की गुंजाइश न बचे।

उपस्थित जन नवागढ़ की एकता का प्रमाण

सभा में विकास धर दीवान, शक्तिधर दीवान, सुरेन्द्र तिवारी, नरेंद्र शर्मा, जावेद खान, मधु रॉय, सुशीला जोशी, सिद्धांत चौहान, रितेश शर्मा, मनहरण सिंह ठाकुर, छन्नू गुप्ता, भगत कुंभकार, विनोद तिवारी, प्रदीप शुक्ला, दद्दू मार्कण्डेय, ईश्वर सिंह लोधी, चंद्रपाल साहू, रितेश तिवारी, रोशन धर दीवान, धनसाय भारती, निमिराज सोनवानी, घनश्याम धर दीवान, रनबन सिंह राजपूत, गिरेंद्र महिलांग, गुड्डा खान, अमित जैन, विजय यादव, आरिफ बाटिया, देवेन्द्र साहू, जितेन्द्र भुवाल, बद्री प्रसाद, लक्ष्मण साहू, वीरेन्द्र घृतलहरे, धनीराम निर्मलकर, रितेश मिश्रा, राजकुमार मिश्रा, महेश टंडन, प्रमोद सेन, रमेश पटेल, राजेंद्र वर्मा, अश्वनी साहू, सुरेश निषाद, दानीराम जायसवाल, दुर्जन साहू, कैलाश सोनी, आशाराम साहू, तोप सिंह साहू, घनश्याम वर्मा, लक्ष्मी वर्मा, कृष्णा ठाकुर, ललित साहू, माधो सिंह, रामकुमार साहू और भागवत साहू सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

प्रशासनिक प्रताड़ना और अनावश्यक दबावों पर चिंता

जिला पंचायत सदस्यों मधु रॉय और सुशीला जोशी ने कहा कि क्षेत्र में सक्रिय जनप्रतिनिधि, पत्रकार और सामाजिक कर्मियों पर अनावश्यक दबाव बढ़ाना चिंताजनक है। नगर पंचायत अध्यक्ष सिद्धांत चौहान ने कहा कि क्षेत्र में अफवाहों और भ्रम की राजनीति ने सबसे ज्यादा नुकसान युवा पीढ़ी और सामाजिक ताने-बाने को पहुंचाया है। इस पर सर्वदलीय मंच ने ऐतिहासिक घोषणा की– अब नवागढ़ में कोई अकेला नहीं रहेगा। जहां अन्याय होगा, पूरा मंच खड़ा होगा। इस घोषणा ने बैठक को निर्णायक मोड़ दिया।

साझी लड़ाई, साझा दिशा नवागढ़ की एक आवाज

सभा में यह निष्कर्ष सामने आया कि कुछ तत्वों द्वारा वर्षों से क्षेत्रीय एकता को कमजोर करने की कोशिशें की जाती रही हैं। इसका जवाब देते हुए मंच ने संकल्प लिया कि नवागढ़ के सम्मान, सत्य और न्याय के प्रश्न पर पूरा क्षेत्र एकजुट रहेगा। समाजसेवी ईश्वर सिंह लोधी ने कहा कि जरूरत इस बात की है कि हम व्यक्तिगत मतभेद भूलकर नवागढ़ की भलाई के लिए साथ खड़े हों। सर्वदलीय मंच यही सामूहिकता सुनिश्चित करेगा।

स्कूल में पालक–शिक्षक बैठक संपन्न विद्यार्थियों की प्रगति पर हुई विस्तृत चर्चा

बेमेतरा। डीएवी पब्लिक विद्यालय में आयोजित शिक्षक पालक मीटिंग में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मीटिंग के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों के परिणाम, कक्षा में प्रदर्शन, अनुशासन तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी के बारे में अभिभावकों को जानकारी दी। साथ ही बच्चों की शिक्षा को प्रभावी बनाने हेतु विभिन्न सुझाव भी साझा किए। शिक्षकों ने अभिभावकों को नियमितता, कक्षा में सहभागिता, तथा अध्ययन आदतों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कई अभिभावकों ने भी घर पर बच्चों के अध्ययन वातावरण और ध्यान केंद्रित करने से जुड़ी समस्याएँ साझा कीं।वहीं कमजोर छात्रों के लिए विशेष सहायता कक्षाएँ आयोजित करने की घोषणा भी की गई। प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के बीच संवाद मजबूत होने से विद्यार्थियों के विकास में सकारात्मक बदलाव आते हैं। उन्होंने सभी से नियमित रूप से बच्चों की पढ़ाई में सहयोग देने की अपील की। स्कूल द्वारा आयोजित यह बैठक बेहद उपयोगी है। हमें बच्चों की कमजोरियों और ताकतों के बारे में सही जानकारी मिलती है। हम घर पर और बेहतर सहयोग का प्रयास करेंगे। अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षकों और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हैं। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ।

खरीदी केंद्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य विधिवत प्रारंभ

बालोद। राज्य शासन के निर्देशानुसार संपूर्ण प्रदेश के साथ-साथ बालोद जिले के धान खरीदी केन्द्रों में भी वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य विधिवत प्रारंभ हो गया। कलेक्टर दिव्या मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करने हेतु सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसके अंतर्गत राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले के सभी धान खरीदी केन्द्रों में अपने धान के विक्रय हेतु आने वाले किसानों के लिए शुद्ध पेयजल, बैठक एवं छांव इत्यादि व्यवस्था, धान के नाप-तौल हेतु इलेक्ट्रॉनिक कांटा बाट, आर्द्रता मापी यंत्र, इंटरनेट की समुचित उपलब्धता, चालू हालत में कम्प्यूटर सेट एवं यूपीएस एवं जनरेटर, धान खरीदी केन्द्रों में बारदानों में लगाए जाने वाले स्टेनशील की व्यवस्था, उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की उलपब्धता, दीमक रोधी दवाइयां, रंग एवं समुचित मात्रा में सुतली आदि की व्यवस्था, इस कार्य में लगे सभी अधिकारी-कर्मचारियों का समुचित प्रशिक्षण, पर्याप्त संख्या में हमालों की व्यवस्था, डनेज हेतु फ्लाई ऐश/सीमेंट ब्लाक की व्यवस्था, प्लास्टिक बैग एवं धान की भूसी एवं प्राथमिक उपचार की पेटी आदि सभी जरूरी सामग्रियों की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई है। इसके अलावा समिति प्रबंधकों एवं कम्प्यूटर आपरेटरों के हड़ताल के कारण जिले में धान खरीदी का कार्य प्रभावित न हो इसके लिए समिति के रूप में अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ ही धान खरीदी के कार्य को निर्बाध रूप से जारी रखने हेतु कम्प्यूटर आपरेटरों की भी वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इन सभी अधिकारी-कर्मचारियों की प्रशिक्षण की भी समुचित व्यवस्था की गई है। उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं आरके राठिया ने बताया कि धान खरीदी के पहले दिन जिले के 52 उपार्जन केन्द्रों में कुल 13998 क्विंटल धान की खरीदी हेतु 301 किसानों का टोकन जारी किया गया है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के कार्य को बिना किसी अवरोध के जिला प्रशासन के आला अधिकारियों के अलावा जिले के सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों के अलावा सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के द्वारा पूरे समय मुस्तैद होकर कार्य की निरंतर मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके अलावा जिले में वास्तविक किसानों के वास्तविक रकबे के आधार पर भी धान की खरीदी सुनिश्चित हो जिला प्रशासन द्वारा इसकी भी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही जिले में अवैध धान की खरीदी एवं बिक्री के रोकथाम के उपाय भी समुचित व्यवस्था की गई है। इसके लिए उड़नदस्ता टीम के गठन के अलावा संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर उनकी सतत निगरानी की जा रही है। इसके अलावा चेक पोस्टों के माध्यम से भी समुचित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

भूतबंगला के रहस्य में खोये रहे स्कूल के बच्चे बीपीएस में बाल मेला

बैरग निशान से मेले में दिखा छत्तीसगढ़िया कलेवर

डोंगरगांव नगर। नगर में मानव समाज कल्याण एवं शिक्षण समिति द्वारा संचालित भारतीय पब्लिक स्कूल में पंडित जवाहर लाल नेहरू के स्मृति बाल दिवस के परिप्रेक्ष्य में 15 नवंबर शनिवार को बाल मेला का आयोजन किया गया। बाल मेला में हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित कृत्रिम भूत बंगला बच्चों के लिये कौतूहल का विषय बन गया। बाल मेला का शुभारंभ प्राचार्य सुनील कुमार पाण्डेय् द्वारा कार्यालय प्रभारी राजेन्द्र कुंवर, पाली प्रभारी बिरेन्द्र राजपूत, प्रधान पाठिका पीएल बया, प्रधान पाठिका दामिनी यदु की मौजूदगी में किया। माता सरस्वती के तैल्यचित्र पर पुष्पार्पण उपरांत कु.खुश्बू एवं साथी द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत भानुप्रिया एवं साथी द्वारा तथा लवली एवं साथी द्वारा छत्तसीगढ़ी रिमिक्स पर नृत्य गीत प्रस्तुत किया गया। प्रथम बार छत्तीसगढ़िया कलेवर देते हुए बैरग निशान को बालमेला में घुमाया गया। इस दौरान सीनियर विद्यार्थियों ने डीजे की धुन पर जमकर डॉन्स किया। बालमेला को सफल बनाने में संस्था के शिक्षक देवेन्द्र साहू, लूनकरण यादव, रेणुका साहू, अनुराधा सोनटेके, जमुना साहू, कोमल सेन, गुरूविंदर, कांता सेन, गौरव देवांगन, संजू उके, रश्मि देवांगन, योगिता, लोकेश्वरी यदु, लक्ष्मी राजपूत, दुबीलता ठाकुर, वीणा, लता निषाद, उषा साहू सहित समस्त स्टॉफ ने सहयोग प्रदान किया। बालमेला का संचालन प्रधान पाठक पीएल बया द्वारा किया गया।

कटलेट व चाइनीज फूड के स्टॉल

बाल मेला में 1ली से 12वीं तक के विद्यार्थियों द्वारा लगाये गये गुपचुप, भेल, समोसा, इडली, जूस, पास्ता, पेस्ट्री, कटलेट, ब्रेडपकोड़ा, चाईनीज पकोड़ा, जूस, पास्ता के स्टॉल में स्कूली बच्चों के अलावा टीचर्स एवं पालकों ने भी जमकर लुफ्त उठाया। बॉल से निशाना लगाकर गिलास को गिराने का आनंद लिया। भूत बंगला का रहस्य आकर्षण का केंद्र था। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिये झूला भी लगाया गया था।

वनांचल नेऊर में लगा विशाल आरोग्य मेला, सैकड़ों ग्रामीणों ने कराया उपचार

कवर्धा/पंडरिया। वनांचल क्षेत्र के ग्राम नेऊर में एक दिवसीय आरोग्य मेला एवं स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। जनहित में विशेष पहल करते हुए स्वास्थ्य विभाग पंडरिया द्वारा त्वरित कार्रवाई कर दूरस्थ क्षेत्रों के लिए यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई गई। स्वास्थ्य शिविर में नेऊर सहित रुकमिदादर, कांदा वानी, बिरहुलडीह, कुशियारी और अमनियां जैसे वनांचल के दूरस्थ गांवों से भारी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। शिविर में आए सभी मरीजों का ब्लड टेस्ट, शुगर टेस्ट, टीकाकरण सहित विभिन्न प्रकार की जांचें की गई। जिन मरीजों को आवश्यकता थी, उन्हें मौके पर ही निःशुल्क दवाइयां भी प्रदान की गई। दिनभर चले इस शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने अपना उपचार कराया और तत्काल चिकित्सा सुविधा मिलने पर संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम की समग्र निगरानी ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ. प्रेमी ने स्वयं की, जिन्होंने पूरे स्वास्थ्य अमले के साथ मिलकर शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर में कुकुदुर एवं पंडरिया के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। आरोग्य मेले के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों को मिल रही त्वरित चिकित्सा सुविधा की सराहना करते हुए ग्राम नेऊर की सरपंच पार्वती सुनहले ने भी स्वास्थ्य विभाग के इस प्रयास को ग्रामीणों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया और आभार व्यक्त किया।

सड़क बनी 'टॉर्चर ट्रैक': धूल, गिट्टी और अव्यवस्था से लोग बेहाल

कवर्धा। हाई टैक बस स्टैड जाने के लिए जो सड़क बनाया जा रहा है वो परेशानी का कारण बन गया है । शहर का सबसे व्यस्त ठाकुर देव चौक-जुनवानी-ठाठापुर मार्ग आजकल सड़क नहीं, बल्कि आम जनता के लिए दैनिक खतरा बन चुका है। बरसात के बीच शुरू हुआ 4.20 किलोमीटर का सड़क निर्माण कार्य ठेकेदार और विभाग की खुली लापरवाही का ऐसा उदाहरण बन गया है, जिसे देखकर लोग पूछ रहे हैं– क्या यह सड़क बनेगी या जनता की परीक्षा होगी।

धूल और नुकीली गिट्टी ने बढ़ाई मुसीबत

पूरा मार्ग आज धूल के गुबार और नुकीली गिट्टी से पट चुका है। राहगीरों का कहना है कि दो पहिया वाहन फिसल रहे हैं, लोग रोज गिरकर चोटिल हो रहे हैं, नुकीली गिट्टी हाथ-पैर फाड़ रही है, धूल से आंख और सांस की समस्या बढ़ रही है। व्यापारी भी आरोप लगा रहे हैं कि सड़क के दोनों ओर की खुदाई अधूरी छोड़ दी गई है। दिनभर उड़ती धूल से दुकानें, सामान और ग्राहक सभी प्रभावित हो रहे हैं।

ऊंची नाली, नीचे घर : हर घर के सामने खतरा

ठाकुर देव चौक से जुनवानी तक बनाई जा रही नाली की ऊंचाई पुराने घरों से अधिक रख दी गई है। इससे घरों में आने-जाने के दौरान कई लोग फिसलकर गिर चुके हैं। स्थानीय नागरिक इसे इंजीनियरिंग की 'चूक नहीं, पूरी विफलता' बता रहे हैं।

एक ओर खुदाई, दूसरी ओर अधूरा निर्माण–और ऊपर से शाम को शराब दुकान के कारण बढ़ती भीड़। इस पूरे मार्ग को लोग अब 'हादसा ज़ोन' कहने लगे हैं। प्रतिदिन जाम, धक्का-मुक्की और दुर्घटनाएं आम हो चुकी हैं।

ठेकेदार-विभाग की 'कछुआ गति' और 'जवाबदार कौन

नगरवासियों का आरोप है कि काम की रफ्तार कछुआ जैसी, गुणवत्ता नगण्य, सुरक्षा इंतज़ाम शून्य, और निगरानी पूरी तरह गायब है। शहर के सबसे व्यस्त और राजस्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण मार्ग को भी यदि इस तरह उपेक्षित रखा जा सकता है, तो प्रश्न उठता है–जवाबदेही आखिर किसकी है।

नागरिकों की मांग- तुरंत हस्तक्षेप करें प्रशासन

लोगों ने जिला प्रशासन से सख्त कार्रवाई, कार्य की गुणवत्ता जांच और निर्माण को प्राथमिकता देकर जल्द पूर्ण करने की मांग की है। नागरिक चेतावनी दे रहे हैं कि यदि यह स्थिति जारी रही, तो आने वाले दिनों में बड़े हादसों से इनकार नहीं किया जा सकता।

16 वर्ल्ड बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप बाटम इंडोनेशिया में महेंद्र कुमार तेकाम रहे निर्णायक

बेमेतरा। 16 वर्ल्ड बॉडीबिल्डिंग और फिटनेस चैंपियनशिप बाटम इंडोनेशिया में 11 से 17 नवंबर तक आयोजित की गई, जिसमें जिले में कार्यरत महेंद्र कुमार तेकाम सहकारी निरीक्षक कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता जिला बेमेतरा में कार्यरत ने इंडियन बॉडीबिल्डर फेडरेशन की ओर से निर्णायक के दायित्व सौंप गया। उक्त चैंपियनशिप में 35 देश के खिलाड़ी और ऑफिशल्स उपस्थित हुए और शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम ने कुल 11 गोल्ड मेडल 09 सिल्वर मेडल और 05 कांस्य पदक प्राप्त कर कुल 24 मेडल प्राप्त कर कुल 715 पॉइंट के साथ भारत देश ओवरऑल चैंपियन बना। साथ ही भारत देश के सरवन मनी मिस्टर यूनिवर्स 2025 बने महेंद्र कुमार तेकाम सरकारी निरीक्षक के उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप मे भाग लेने पर और सफलतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करने पर बेमेतरा जिले के सभी अधिकारी/कर्मचारीगणो ने तथा प्रिन्ट मीडिया पत्रकारिता जगत ने शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर के गणना पत्रक में 2003 की मतदाता सूची में नाम होने की जानकारी से मतदाता भ्रमित

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर को लेकर गणना पत्रक इस समय बीएलओ द्वारा घर घर में बांटे जा रहे है लेकिन अब गणना पत्रक को लेकर यहां पर कई सवाल पैदा होते जा र हे है इसमें 2003 की मतदाता सूची की पूर्ण विवरण देना है। जिसकों लेकर अब मतदाता भी भ्रम की स्थिति में आ गये है। मिली जानकारी के अनुसार भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस समय छग सहित अन्य राज्यों में एसआईआर मतगणना गहन पुनरीक्षण का काम शुरू कर दिया गया है लेकिन इसमें कई सारे विवरण मांगे गये हैं। बीएलओ द्वारा यहां पर 32 प्रतिशत मतदाओं को गणना पत्रक दिया जा चुका है। प्रदेश के सभी मतदाताओं को बीएलओ घर घर पहुंचकर यह फार्म दे रहे हैं। लेकिन इसमें सबसे बड़ी बाधा इसके मतदाता सूची को लेकर है। मतादाता को 2003 में मतदाता सूची का विवरण मांगा गया है। जिसके चलते अब मतदाता भ्रमित हो गये हैं। मतदाताओं के अनुसार पहले रायपुर शहर में 2003 में रायपुर शहर और ग्रामीण दो विधानसभा क्षेत्र होते थे। जबकि अब चार विधानसभा क्षेत्र उत्तर दक्षिण, पश्चिम, ग्रामीण क्षेत्र हो गया है। इन सभी विस की सीमा अलग अलग हो गई है। इस समय मतदाता सूची 2003 में नाम खोजने के लिए लोग कंप्यूटर तथा इंटरनेट का सहारा ले रहे है। यह काम अब भाजपा तथा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने लिए सिरदर्द बनते जा रहे है। जिससे मतदाता परेशान हो गये है।

धीरेंद्र शास्त्री की पदयात्रा में शामिल हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और गृहमंत्री

रायपुर। बागेश्वर धाम के प्रमुख पं. धीरेंद्र शास्त्री की हिंदू यात्रा जो कि नई दिल्ली से वृंदावनधाम तक चल रही है। इसमें छग के हजारों श्रद्धालु भाग लेने बस ट्रेन तथा निजी वाहन से रवाना हो गये है। मिली जानकारी के अनुसार हिंदू समाज को संगठित करने के लिए पं. धीरेंद्र शास्त्री ने नईदिल्ली से मथुरा वृंदावन तक एक पैदल मार्च निकाला है। जिसमें छग के बसंत अग्रवाल एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव गृहमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य श्रद्धालु बड़ी संख्या में नईदिल्ली के लिए रवाना हो गये है। कई लोग वापस लौट आए है। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के भक्त इस समय बिलासपुर के लोरमी पंडरिया तथा अन्य स्थानों पर रहते हैं। ये भी बड़ी संख्या में बस लेकर रवाना हुए है। इसमें से कई लोग वापस लौट रहे हैं। पं. धीरेंद्र शास्त्री एक सुप्रसिद्ध कथा वाचक है। जो कि टीकमगढ़ में एक कैंसर अस्पताल का निर्माण कर रहे हैं। हिंदू एकता को जागृत करने के लिए वे समय समय पर मुहिम चला रहे है। भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग है जिस पर अमल करने के लिए एक पदयात्रा निकाली है जिसमें लाखों भक्त मप्र, छग पंजाब, हरियाणा उप्र से शामिल हो रहे हैं।

धान उपार्जन कार्य में लापरवाही पर कार्रवाई, सहकारी समिति प्रभारी की सेवा समाप्त

रायपुर। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. गनियारी द्वारा समिति प्रभारी, गनियारी कौशल वर्मा को गंभीर अनुशासनहीनता के कारण तत्काल प्रभाव से सेवा मुक्त कर दिया गया है। समिति द्वारा पहले ही वर्मा को जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित होने पर तत्काल कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। पूर्व में शो कॉज नोटिस भी जारी किया गया था। इसके बावजूद उनके द्वारा न तो कार्यालय में उपस्थिति दर्ज कराई गई और न ही लिखित जवाब प्रस्तुत किया गया। उनकी लगातार अनुपस्थिति से समिति में धान उपार्जन की तैयारी, रबी ऋण वितरण, खादङ्कबीज वितरण तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े आवश्यक कार्य प्रभावित हुए, जिसे समिति ने व्यापक लोकहित के विपरीत और गंभीर दुराचरण माना। आज बोर्ड की बैठक के निर्णय के अनुसार सेवा नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए वर्मा को समिति प्रभारी पद से तुरंत प्रभाव से हटाने का आदेश जारी कर दिया गया है।

ईवीएम में गड़बड़ी के कांग्रेस के आरोपों पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने दिया बड़ा बयान

रायपुर। बिहार चुनाव में ईवीएम में गड़बड़ी के कांग्रेस के आरोपों पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि वह चुनाव में काम नहीं करते और ठीकरा ईवीएम पर फोड़ते हैं, लेकिन जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया है. वह दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू पाए और फिर भी नेता प्रतिपक्ष बने बैठे हैं. किसको श्रेय जाता है, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी इस पर सोचना चाहिए कि उन्होंने संस्थाओं को बर्बाद और बदनाम भी. जहां आपकी (कांग्रेस) की जीत हुई, वहां ईवीएम ठीक कैसे हो गई? छत्तीसगढ़ में आज से शुरू हो चुके धान खरीदी को लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि इस बार 1 लाख अतिरिक्त किसानों ने पंजीयन कराया है. रकबा भी बढ़ा है. सरकार सभी किसानों का धान खरीदेगी. एग्रीस्टेक के माध्यम से पंजीयन प्रक्रियाएं जारी है. उन्होंने कहा कि जहां धान नहीं होगा, वहीं का पंजीयन रोका जाएगा. वीरेन्द्र तोमर की गिरफ्तारी और करणी सेना के प्रदर्श की चेतावनी मामले पर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि कोई भी सामाजिक संस्था अच्छे काम के लिए होती है, अपराधियों के समर्थन के लिए नहीं.

जनजातीय गौरव दिवस पर अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सराहना की

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ का कर रहे है कायाकल्प-प्रधानमंत्री मोदी

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार पूरी निष्ठा से कार्यरत –मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

गुजरात के डेडियापाड़ा में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन के दौरान छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व की विशेष रूप से प्रशंसा की। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में जनजातीय समाज की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व भारत के विकास की नई पहचान बन रहा है, और इस दिशा में छत्तीसगढ़ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए लोकतांत्रिक भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में जनजातीय समाज से आने वाले मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में व्यापक विकास हो रहे हैं और सभी क्षेत्रों में सकारात्मक दिशा में निर्णायक प्रगति दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि शासन, सेवा और विकास के प्रत्येक आयाम में जनजातीय समाज का प्रतिनिधित्व और सशक्तिकरण 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रमाणित करता है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ दिन पूर्व रायपुर में उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ के जनजातीय इतिहास, परंपरा, कला और बलिदान का भव्य प्रतीक है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए एक राष्ट्रीय धरोहर के रूप में स्थापित होगा। प्रधानमंत्री के उद्बोधन में छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदाय, उनकी संस्कृति तथा राज्य में चल रहे जनजातीय उत्थान

के प्रयासों की जिस प्रकार सराहना की गई, उसने पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के इन शब्दों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया सम्मान समूचे छत्तीसगढ़वासियों का मनोबल बढ़ाने वाला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र को आधार बनाकर जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्यरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन से राज्य में जनजातीय सशक्तिकरण, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका तथा सांस्कृतिक संरक्षण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय गति प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी हमारे देश के गौरव हैं। देश का जनजातीय समाज उनके स्नेह और उदारता के लिए कृतज्ञ है। छत्तीसगढ़ के लिए उनका कहा हुआ प्रत्येक शब्द अमृत के समान है। उनके इस स्नेह को प्रसाद मानते हुए हम और अधिक उत्साह के साथ छत्तीसगढ़ महतारी की अर्चना में स्वयं को समर्पित करते हैं। अपने संकल्प को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की विकास यात्रा को तीव्र गति देते हुए राज्य सरकार 'विकसित छत्तीसगढ़' के निर्माण के माध्यम से 'विकसित भारत' के प्रधानमंत्री के संकल्प की सिद्धि में अपना पूर्ण योगदान देगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अंत में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार जनजातीय समाज की अस्मिता, स्वाभिमान और आकांक्षाओं को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आशीर्वाद से यह विकास यात्रा और अधिक गतिशील, प्रभावी और व्यापक बनेगी।

राज्य निर्माण से अब तक मत्स्य उत्पादन में हुई 08 गुना वृद्धि.....

- बस्तर में हो रहा नीली क्रांति का आगाज जिले के 10 हजार से ज्यादा मत्स्यपालक एवं किसान हुए लाभान्वित

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में पिछले 25 वर्षों में मछलीपालन ने जो करिश्मा दिखाया है, वह किसी क्रांति से कम नहीं है। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों और प्रोत्साहन योजनाओं की सहायता से यहां मछली उत्पादन लगभग आठ गुना बढ़ गया है। जहां कभी सालाना उत्पादन महज 574 मीट्रिक टन था, वहीं आज 16 हजार मीट्रिक टन से अधिक उत्पादन हो रहा है। इसी तरह मत्स्य बीज उत्पादन भी 149 लाख फिंगरलिंग्स से बढ़कर 728 लाख से ज्यादा हो गया है। इस वृद्धि को और भी बल देने के लिए शासन द्वारा मछली पालन को कृषि का दर्जा प्रदान किया गया है। इसके बाद मत्स्यपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी मिल रही है। जिसमें एक लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज के और तीन लाख रुपए तक महज एक प्रतिशत ब्याज पर सहजता से ऋण उपलब्ध है। पहले यह सुविधा सीमित और महंगी थी। जलकर और बिजली बिल में छूट ने भी मछलीपालकों एवं किसानों का हौसला बढ़ाया है। नतीजा यह कि दस हजार से ज्यादा मत्स्यपालकों एवं किसानों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आया है। जिले के जल संसाधन भी इस सफलता की गवाही दे रहे हैं। ग्रामीण तालाबों की संख्या 757 से बढ़कर 4852 हो गई है जबकि जलाशय की संख्या तीस से तैंतीस तक पहुंच गया है। कुल जलक्षेत्र 1316 हेक्टेयर से बढ़कर लगभग 3888 हेक्टेयर हो चुका है। इनमें से 3796 हेक्टेयर पर सक्रिय मछली पालन हो रहा है यानी उपलब्ध जलक्षेत्र का 97 प्रतिशत में मत्स्यपालन किया जा रहा है। मत्स्यपालन विभाग ने इन पच्चीस सालों में स्वयं 66 हेक्टेयर रकबा के नए तालाब बनाए हैं।

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरूआत, कृषक उत्साह के साथ कर रहे धान का विक्रय

रायपुर। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ होते ही किसानों में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। सुबह से ही किसान अपने-अपने उपार्जन केंद्रों में पहुँचकर धान विक्रय कर रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा मॉइश्चर मीटर, तौल मशीन, बारदाना, टोकन प्रणाली, पेयजल तथा छायादार बैठने की व्यवस्था जैसी सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की गई हैं, जिससे खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है।केंद्री, अभनपुर के धान उपार्जन केंद्र में अपना धान बेचने पहुँचे ग्राम उपरवारा के किसान श्री ईश्वर साहू ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हमारे धान को समर्थन मूल्य पर खरीद रहे हैं, यह हमारे लिए बड़ी सहायता हैउन्होंने आगे बताया कि उपार्जन केंद्र में अच्छी व्यवस्थाएँ की गई है।

रसूखदार नेताओं एवं प्रख्यात फर्मों ने लिया यह ठेका

नागरिक आपूर्ति निगम ने चना खरीदी के लिए 500 करोड़ का टेंडर हुआ.....

- आदिवासी क्षेत्रों में बांटा जाएगा पांच किलो से लेकर 5 किलो से लेकर 50 किलो तक का पैकेट

रायपुर/ संवाददाता

नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा आदिवासी क्षेत्र (माडा) में आदिवासी बच्चों को देने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना को साकार किया जा रहा है। इसके लिए नागरिक आपूर्ति निगम ने देश के प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रमों एवं निजी फर्मों से निविदा मंगाई थी। अंततः बोलीदारों से बातचीत कर 500 करोड़ में चना खरीदी का टेंडर एक निजी फर्म को दिया गया है। नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य में आदिवासी क्षेत्र के अंतर्गत 55 हजार मीटरिक टन चना खरीदी करने का लक्ष्य रखा गया था इसके लिए विभिन्न सावर्जनिक शासकीय उपक्रमों से तथा प्रतिष्ठित निजी फर्मों एवं संस्थाओं से निविदा आमंत्रित की गई थी। इसका वास्तविक मूल्य 400 करोड़ रुपये रखा गया था। पूरे देश से प्रतिष्ठित फर्मों उपक्रमों एवं निजी व्यापारियों ने भाग लिया था। अंततः निगम के अधिकारियों ने बोली लगाने वाले निविदाकारों से अलग अलग बातचीत की। इसके पश्चात सबसे अधिक बोली लगाने वाले को यह ठेका दिया गया है। यह एक निजी फर्म है। नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष के अनुसार इस वर्ष चना की फसल अच्छी हुई है जिसके कारण यहां पर कोई ज्यादा रेट नहीं आया है। जिसके चलते निविदाकारों ने इसमें कोई रूचि नहीं ली है। जशपुर एवं रायपुर के निजी टेरिंग फर्मों ने भी आवेदन दिया था राजनीतिक रसूखदारों ने इस पर काफी रूचि दिखाई थी। यहां पर निविदा की शर्ते बार बार बदली जा रही थी।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी पहले दिन 18639 क्विंटल धान का उपार्जन किया

- धान उपार्जन 2025-26 : किसानों के उत्साह और पारदर्शी व्यवस्था के साथ खरीदी शुरू
- किसानों की सुविधा सर्वोपरि : मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत प्रदेश के किसानों से समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का शुभारंभ किया गया। उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने आए किसानों का स्वागत तिलक एवं पुष्प भेंट कर आत्मीयता से किया गया। खरीदी केन्द्रों का माहौल आज उत्सव और गहमा-गहमी से भरा दिखाई दिया। मौके पर उपस्थित किसानों के चेहरे पर उत्साह, संतोष और शासन के प्रति आभार स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। विभिन्न जिलों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कांटा- बांट एवं धान की पूजा-अर्चना कर तौल प्रक्रिया का विधिवत आरंभ किया गया। प्रदेश में आज कुल 188 उपार्जन केन्द्रों में 18639 क्विंटल धान का उपार्जन किसानों से किया गया। शासन द्वारा राज्य के 2,739 उपार्जन केन्द्रों में खरीदी संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ पूर्ण कर ली गई हैं। उल्लेखनीय है कि सहकारी समितियों के कर्मचारियों द्वारा आंशिक रूप से अवैध हड़ताल पर जाने से उपार्जन प्रभावित होने की संभावना उत्पन्न हुई थी, जिसे शासन के निर्देश पर विपणन संघ द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से 2,739 डेटा एंट्री ऑपरेटरों की व्यवस्था कर सुचारू रूप से धान उपार्जन सुनिश्चित किया गया। कई जिलों में सहकारिता विभाग के कर्मचारियों ने भी धान उपार्जन की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए खरीदी कार्य को निरंतर बनाए रखा। शासन द्वारा धान खरीदी में संलग्न कर्मचारियों को अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम 1979 के तहत अधिसूचित कर तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है, जिससे उपार्जन प्रक्रिया निर्बाध रूप से संचालित रहे। इस वर्ष धान उपार्जन को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसान उन्मुख बनाने के लिए उपार्जन केन्द्रों में ऑनलाइन टोकन एवं तुंहर टोकन प्रणाली को व्यापक रूप से लागू किया गया है। आज प्रदेश में जारी हुए कुल 2,029 टोकन में से 1,912 किसानों द्वारा तुंहर टोकन के माध्यम से आवेदन किया गया।

भारतीय मानक ब्यूरो और राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान ने एग्रो-टेक्सटाइल्स पर राष्ट्रीय जागरूकता सेमिनार आयोजित किया

रायपुर। राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान, इंदौर तथा भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा एग्रो-टेक्सटाइल्स और कृषि उत्पादों की गुणवत्ता मानकों पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. राय ने किसानों को एग्रो-टेक्सटाइल्स के उपयोग, उनके महत्व, आधुनिक कृषि में उनकी बढ़ती आवश्यकता तथा गुणवत्ता-आधारित कृषि उपकरणों के लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। सेमिनार के संयोजक एवं संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया और आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कृषि क्षेत्र में उपयोग होने वाले मानक उत्पादों, एग्रो-टेक्सटाइल्स तथा गुणवत्ता नियंत्रण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। भारतीय मानक ब्यूरो के वैज्ञानिक-बी गौरव मिश्रा ने किसान जागरूकता और डेमोंस्ट्रेशन सत्र में भारतीय मानकों की अनिवार्यता पर विस्तारपूर्वक प्रस्तुति दी। उन्होंने किसानों को सिंचाई पाइप, फसल सुरक्षा जाल, जल संरक्षण सामग्री तथा अन्य कृषि उत्पादों में मानकों के पालन के महत्व के साथ-साथ भारतीय मानक ब्यूरो के प्रमाणन चिन्ह आईएसआई मार्क की पहचान।

छत्तीसगढ़ अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में फिर बना चैम्पियन,रचा इतिहास

- छत्तीसगढ़ 150 मेडल और 578 अंक के साथ पहले स्थान पर
- छत्तीसगढ़ को लगातार 13वीं बार ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ ने अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में एक बार फिर इतिहास रच दिया है। देहरादून में हुई 28वीं अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेडल तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने 150 मेडल और 578 अंक के साथ लगातार दूसरे वर्ष चैम्पियनशिप अपने नाम की है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों और टीमों को बधाई देते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए बधाई और शुभकामनाएँ दी है। उल्लेखनीय है कि 28वीं ऑल इंडिया फ़ॉरेस्ट स्पोर्ट्स मीट 12 नवम्बर से 17 नवम्बर तक देहरादून में आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने 74 गोल्ड, 34 रजत, 42 कांस्य लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ की ओर से इस प्रतियोगिता में भाग लेने 253 सदस्यों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कई उत्कृष्ट व्यक्तिगत प्रदर्शन भी छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने किया। इनमें सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी निखिल ज़ाल्को ने तैराकी में 5 स्वर्ण, सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी संगीता राजगोपालन बैडमिंटन एवं टेनिस में 4 स्वर्ण, 1 रजत, सर्वश्रेष्ठ एथलीट महिला ओपन थोटा संकीर्तन ने 5 स्वर्ण पदक प्राप्त कर गोल्डन गर्ल का खिताब पाया। इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरुष वेटरन) सुखनंदन लाल ध्रुव ने 5 स्वर्ण, सर्वश्रेष्ठ एथलीट (महिला वेटरन) चारुलता गजपाल 4 स्वर्ण ने पदक प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ ने लगातार 13वीं बार ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। इस खेल-कूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह तथा उत्तराखंड के वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने संयुक्त रूप से ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की। छत्तीसगढ़ की ओर से यह ट्रॉफी सुश्री शालिनी रैना ने ग्रहण की। अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा और वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव ने सभी खिलाड़ियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अखिल भारतीय वन खेल-कूद प्रतियोगिता में केरल ने 31 गोल्ड लेकर द्वितीय स्थान और कर्नाटक ने 25 गोल्ड मेडल लेकर तीसरा स्थान हासिल किए। जबकि मेजबान उत्तराखंड छठे स्थान पर रहा।

जनजातीय गौरव दिवस पर रायगढ़ में संस्कृति, परंपरा और अस्मिता का भव्य उत्सव

भगवान बिरसा मुंडा धरती आबा-स्वाभिमान साहस और परंपरा के प्रतीक-मंत्री यादव......

रायपुर/ संवाददाता

जनजातीय गौरव दिवस 2025 का प्रभाव आज भी पूरे क्षेत्र में दिखाई दे रहा है, जहां जनजातीय समाज की समृद्ध परंपराएँ, कला, संस्कृति और जीवन मूल्यों का अद्भुत संगम देखने को मिला। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव ने पूरे माहौल को उत्सवी रंगों से भर दिया। रायगढ़ जिले में कल आयोजित जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम, पंजरी प्लांट परिसर में हुए इस आयोजन में सुबह से ही जनजातीय कलाकारों, समाज प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बड़ी

उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री गजेंद्र यादव शामिल हुए। मुख्यमंत्री के संदेशों के वाचन के पश्चात मंच पर प्रस्तुत किए गए मुरिया, पंथी, सरहुल और कर्मा नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियों ने पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वाद्यों की धुनों और जनजातीय परिधानों की आभा ने समूचे वातावरण को सांस्कृतिक उल्लास से भर दिया। जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का यह आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनजातीय समाज की अस्मिता, विरासत और एकता का एक अद्भुत पर्व सिद्ध हुआ। रायगढ़ में संस्कृति का यह विराट उत्सव आने वाले वर्षों तक जन-मानस में अपनी अमिट छाप छोड़ता रहेगा। मंत्री श्री यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक चेतना, एक विचार और एक क्रांति हैं। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की संघर्षगाथा और नेतृत्व क्षमता ने आदिवासी समाज की अस्मिता और स्वाभिमान को नई दिशा दी। उन्होंने जनजातीय समाज की प्रकृति-संवेदी जीवनशैली का उल्लेख करते हुए कहा कि ऋतु परिवर्तन, जंगल की आहट और प्राकृतिक संकेतों को पहचानने की जो अद्भुत क्षमता जनजातीय समाज में है, वह दुनिया के लिए आज भी अध्ययन का विषय है।

संपादकीय

दोषियों को सख्त सजा मिले

दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाके को लेकर कई जानकारियां सामने आ रही हैं। हालांकि अभी तक सरकार ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि यह आतंकी वारदात है, लेकिन संकेत ऐसे ही हैं। क्या यह देश को अस्थिर करने की कोई साजिश है? अगर यह साजिश है, तो हद्द को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई गुनहगार न बचे। एजेंसी को मंगलवार को इस वारदात की जांच सौपी गई।जानकारियों के मुताबिक, इस घटना का लिंक कथित तौर पर पुलवामा से जुड़ रहा है। गौर करने वाली बात है कि धमाके से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने एक टेरर मॉड्यूल का खुलासा किया था, जिसकी शुरुआत जम्मू-कश्मीर से हुई थी और फिर हरियाणा और यूपी तक तार जुड़ते चले गए। अभी यही माना जा रहा है कि दिल्ली धमाकों का मुख्य संदिग्ध पुलवामा निवासी उमर मोहम्मद है। वह उसी कार को ड्राइव कर रहा था, जिसमें धमाका हुआ। सरकार इस मामले में बेहद सावधानी से आगे बढ़ रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा व संवेदनशीलता को देखते हुए यह जरूरी भी है। सामान्य धारणा है कि आतंकी समूह कम पढ़े-लिखे और समाज से कटे युवाओं को निशाना बनाते हैं, क्योंकि उन्हें बरगलाना आसान होता है। लेकिन, टेरर मॉड्यूल में डॉक्टरों की गिरफ्तारी होना खतरनाक ट्रेंड है।

अभी दिल्ली ब्लास्ट और पहले की हुई गिरफ्तारियों में कोई सीधा संबंध मिलना बाकी है, लेकिन इससे इंटेलिजेंस पर सवाल तो खड़े ही होते हैं। जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े लोग राजधानी के पास रहकर साजिश रचते रहे, 2900 किलो विस्फोटक जमा कर लिया और भनक तक नहीं लगी ! अगर इस खुलासे में और देर हो जाती, तो क्या पता देश एक बड़ी त्रासदी से गुजर रहा होता। दिल्ली में आखिरी बड़ा आतंकी हमला सितंबर 2011 में हुआ था, जब हाई कोर्ट के बाहर हुए बम विस्फोट में 11 मौतें हुई थीं और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। इसके बाद छिटपुट घटनाएं हुईं, पर जान का नुकसान नहीं हुआ। वहीं, जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश के बाकी हिस्सों में भी आतंकी गतिविधियों में कमी आई है। तद्यश्ङ्कड्डद्य ञ्जद्गह्म्ह्म्शह्मद्बह्यद्व ढ्ढठ्ठस्रद्ग× भी बताता है कि भारत में हालात बेहतर हुए हैं, जबकि आतंकी गतिविधियों में पड़ोसी पाकिस्तान दुनिया में दूसरे नंबर पर है। लेकिन, यह शांति तभी बनी रह सकती है, जब एजेंसियां लगातार अलर्ट मोड में रहें। आतंकवाद को फिर से पनपने का मौका नहीं देना चाहिए। साथ ही, खुफिया तंत्र को भी इस तरह से काम करना चाहिए कि ऐसे अपराध न हो सकें।

वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित यह राज्य पहाड़ी महिलाओं के अभूतपूर्व आंदोलन से गुजरा था। अटल जी ने ठीक ही कहा था कि इस राज्य का जन्म मां की शक्ति से हुआ है। मातृ-शक्ति ने नया राज्य बनाया, जिसमें बड़ी आकांक्षाएं और उम्मीदें थीं। हिमालयी राज्य की महिलाओं के सपनों को साकार करना बाकी है। हिमालय में संन्यासी बनते-बनते से लेकर उत्तराखंड निर्माण की रजत जयंती समारोह के उद्घाटन तक, नरेंद्र मोदी ने अपने जीवन में एक पूरा हिमालय जी लिया है। गंगा-यमुना का प्रवाह उनकी आत्मा में है और उत्तराखंड जो आदि काल से वैदिक संस्कृति के लिए जाना जाता है, वही उनकी दृष्टि को दिशा देती है। राज्य के हर सुख-दुख में नरेंद्र मोदी इस हिमालयी राज्य के लोगों के साथ खड़े दिखे, तब भी जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे।

उत्तराखंड नरेंद्र मोदी के हृदय में बसता है

(तरुण विजय)

उत्तराखंड ने जो भी आपदा झेली, नरेंद्र मोदी सबसे पहले मदद के लिए दौड़े और सभी जरूरी बचाव दल, सामग्री तथा राहत प्रदान की। वर्ष 2000 में दूरदर्शी प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित यह राज्य पहाड़ी महिलाओं के अभूतपूर्व आंदोलन से गुजरा था। अटल जी ने ठीक ही कहा था कि इस राज्य का जन्म मां की शक्ति से हुआ है। मातृ-शक्ति ने नया राज्य बनाया, जिसमें बड़ी आकांक्षाएं और उम्मीदें थीं। हिमालयी राज्य की महिलाओं के सपनों को साकार करना बाकी है।

कुख्यात मुलायम सिंह यादव सरकार के दौरान कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और महिलाओं पर क्रूर अत्याचार हुए। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के कुछ प्रमुख मील के पत्थर इस प्रकार हैं:

- खटीमा गोलीकांड (1 सितंबर 1994)= शांतिपूर्ण जुलूस पर पुलिस ने अंधाधुंध गोली चलाई, जिसमें कम से कम सात कार्यकर्ताओं की मौत हुई।
- मसूरी गोलीकांड (2 सितंबर 1994)= खटीमा कांड के विरोध में निकले एक अन्य जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें छह लोगों की मौत हुई, जिनमें महिला कार्यकर्ता बेलमती चौहान और हंसा धनै शामिल थीं।
- रामपुर तिराहा गोलीकांड (2 अक्टूबर 1994)= दिल्ली प्रदर्शन के लिए जा रहे कार्यकर्ताओं को रोका गया और गोली चलाई गई; कम से कम छह लोग मारे गए और कई महिलाओं के साथ कथित तौर पर बलात्कार व छेड़छाड़ हुई। इसे आंदोलन के इतिहास का काल दिवस माना जाता है।
- श्रीयंत्र टापू गोलीकांड (10 नवंबर 1994)= भूख हड़ताल पर बैठे कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने क्रूर हमला किया, दो की मौत हुई और उनके शव अलकनंदा नदी में फेंक दिए गए।
- कारावास और यातनाएं= कई कार्यकर्ताओं, जिनमें प्रमुख व्यक्तित्व इंद्रमणि बदोनी (जिन्हें पर्वत गांधी कहा जाता है) शामिल हैं, को जेल में डाला गया और उपवास व प्रदर्शनों के दौरान शारीरिक यातना दी गई।

उत्तराखंड प्रतिभाशाली व्यक्तियों और साहसी, निडर लोगों का खजाना रहा है। तीन हजार वर्ष पूर्व कई राजाओं ने अश्वमेध यज्ञ जैसे वैदिक अनुष्ठानों के लिए इसी स्थान को चुना था। आज भी राज्य में दो प्राचीन स्थल एएसआई द्वारा राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर संरक्षित हैं। इनमें से एक श्येन चिति अश्वमेध स्थल (उड़ते गरुड़ के आकार में बना अश्वमेध यज्ञ) देहरादून में है और दूसरा, जो ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी का है, पूरोला में। यमुना तट पर महाभारत कालीन शिव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध लखामंडल क्षेत्र में कर्ण को समर्पित मंदिर है, जो शायद भारत में एकमात्र है। नौवीं शताब्दी में कत्यूरी राजाओं द्वारा निर्मित कटारमल सूर्य मंदिर 44 मंदिरों का समूह है, जिसे ओडिशा के कोणार्क जितना महत्वपूर्ण माना जाता है। कोई भी हिंदू अपनी जिंदगी को बिना बद्रीनाथ-केदारनाथ दर्शन के पूरा हुआ नहीं मानता। यहीं भगीरथ ने शिव से गंगा प्राप्त की और आदि शंकराचार्य ने गंगा व शिव की स्तुति में प्रसिद्ध भजन लिखे तथा अंत में हिमालय के केदारनाथ क्षेत्र में निर्वाण प्राप्त किया। अलकनंदा और भागीरथी के संगम पर स्वर्गिक सुंदर देव प्रयाग में गंगा को अपना नाम मिलता है। शिव-पार्वती की प्रिय भूमि, मां नंदा देवी हमारी पुत्री भी हैं, जिन्हें मां के रूप में पूजा जाता है और हर बारहवें वर्ष 22 दिनों में 280 किमी की भव्य नंदा राज जात (मां नंदा की राजकीय यात्रा) होती है। गंगा तट पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग नगरी ऋषिकेश और हरिद्वार महाकुंभ स्थल लाखों तीर्थयात्रियों व योग प्रेमियों को आकर्षित करते हैं।

अविभाजित उत्तराखंड ने दो प्रसिद्ध मुख्यमंत्री दिए- गोविंद बल्लभ पंत और नारायण दत्त तिवारी तथा वर्तमान में भी राज्य के मुख्यमंत्री, जो देश को प्रधानमंत्री देने के लिए जाना जाता है, उत्तराखंड से हैं।

भारत की रक्षा सेनाएं उत्तराखंड के वीर योद्धाओं के बिना अधूरी हैं। ब्रिटिश काल में गब्बर सिंह नेगी और दरवान सिंह नेगी को विक्टोरिया क्रॉस से लेकर परम वीर चक्र प्राप्त मेजर धन सिंह थापा और अमर किंवदंती राइफलमैन जसवंत सिंह रावत तक, देश को सबसे अधिक सैनिक देने वाले इस राज्य के बहादुर देशभक्त योद्धाओं की लंबी सूची है। भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत उत्तराखंड से थे और दूसरे जनरल अनिल चौहान भी। देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल डी.के. जोशी तथा पीएमओ व वैज्ञानिक संस्थानों में कई उच्च पदाधिकारी इसी राज्य से हैं। इस राज्य ने दुनिया को जो किंवदंतियां दी हैं, उन्हें नाम देना कठिन, यदि असंभव नहीं - नवीनतम महिला क्रिकेट सनसनी स्नेह राणा से लेकर प्रथम एवरेस्ट विजेता बछेंद्री पाल, ताशी और नुंगशी मलिक, अभिनव बिंद्रा, ऋषभ पंत, रस्किन बॉन्ड, नरेंद्र सिंह नेगी, बसंती बिष्ट्ज्यह मां भारत की गौरव और सितारों की अनंत सूची है। गंगा तट से योग और आयुर्वेद को ध्रुवों तक ले जाने वाले बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण, गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने वाले महर्षि महेश योगी, प्रकृति के शाश्वत कवि सुमित्रानंदन पंत से लेकर हिंदू धर्म और सभ्यता के पुनर्जागरणकर्ता स्वामी रामतीर्थ और स्वामी विवेकानंद तक, सभी ने इस भूमि से गर्मजोशी और प्रेरणा पाई है। हमारे अपने समय में बाबा नीब करौरी, कैंची धाम - स्टीव जॉब्स के गुरु - ने इस हिमालयी राज्य की आभा को बढ़ाया है। देहरादून शहर स्वयं सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक और रक्षा संस्थानों, ज्ञान और विज्ञान के केंद्रों का घर है - ओएनजीसी, नौसेना हाइड्रोग्राफी, सर्वे ऑफ इंडिया, वन अनुसंधान संस्थान, इंडियन मिलिट्री एकेडमी और राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज का मुख्यालय यहीं है।

उत्तराखंड की रजत जयंती समारोह 9 नवंबर से शुरू हो रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य की महानता और गौरवशाली विरासत को नमन कर रहे हैं तथा लोगों के लिए नया, बेहतर, समृद्ध भविष्य बना रहे हैं। उनके उपहार अद्भुत हैं और उत्तराखंड को भारत का सबसे विकसित राज्य बनाने, इसे मजबूत देव भूमि और वीर भूमि बनाने में बहुत दूर तक जाएंगे।

वे पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 8140 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे हैं। वे पीएम फसल बीमा योजना के तहत 28,000 से अधिक किसानों के खातों में सीधे 62 करोड़ रुपये भी जारी कर रहे हैं।

रजत जयंती कार्यक्रम के दौरान श्री मोदी 930 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और 7210 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित होने वाली परियोजनाओं में अमृत योजना के तहत देहरादून के 23 जोन में जलापूर्ति कवरेज, पिथौरागढ़ जिले में विद्युत सबस्टेशन, सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र, नैनीताल के हल्द्वानी स्टेडियम में एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान आदि शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी दो प्रमुख जल-विद्युत परियोजनाओं का शिलान्यास भी कर रहे हैं - सोंग डैम पेयजल परियोजना जो देहरादून को 150 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) पेयजल उपलब्ध कराएगी और नैनीताल में जमरानी डैम बहुउद्देशीय परियोजना, जो पेयजल, सिंचाई और विद्युत उत्पादन में सहयोग देगी। अन्य परियोजनाओं जिनका शिलान्यास होगा उनमें विद्युत सबस्टेशन, चंपावत में महिला खेल कॉलेज की स्थापना, नैनीताल में अत्याधुनिक डेयरी प्लांट आदि शामिल हैं।

निश्चित रूप से उत्तराखंड के सबसे अच्छे दिन आ रहे हैं और इसका एकमात्र कारण यह है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन में एक उत्तराखंड बसता है।(लेखक पूर्व सांसद और वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पीएम मोदी की भूटान यात्रा ने लिख दिया हिमालयी मित्रता का नया अध्याय

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो भारत और भूटान का संबंध केवल सीमा-रेखाओं तक सीमित नहीं, बल्कि यह संस्कृतियों, धर्मों और भावनाओं का सेतु है। गुरु पद्मसंभव की परंपरा से लेकर आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों तक, दोनों देशों की जीवन-दृष्टि में शांति और मानव कल्याण की समान धारा बहती है।

थिम्फू की शांत वादियों में आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूटान के राजा जिग्मे सिंग्ये वांगचुक के 70वें जन्मदिवस पर भारतीय जनता की ओर से शुभकामनाएँ दीं, तो यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं थी– यह हिमालयी सभ्यता की आत्मीयता, साझा मूल्यों और सामरिक साझेदारी की नई अभिव्यक्ति थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर जहाँ 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के शाश्वत भारतीय आदर्श की पुनः स्मृति कराई, वहीं उन्होंने भूटान के वैश्विक योगदान यानि 'सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता' की संकल्पना को मानव विकास के नए प्रतिमान के रूप में रेखांकित किया। परंतु यह भाषण केवल आध्यात्मिक या सांस्कृतिक विमर्श तक सीमित नहीं था। इसके भीतर भारत की सुरक्षा नीति, पर्यावरणीय साझेदारी, और पड़ोसी-प्रथम नीति की गहरी रणनीतिक परतें भी स्पष्ट झलकती हैं।

देखा जाये तो भारत और भूटान का संबंध केवल सीमा-रेखाओं तक सीमित नहीं, बल्कि यह संस्कृतियों, धर्मों और भावनाओं का सेतु है। गुरु पद्मसंभव की परंपरा से लेकर आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों तक, दोनों देशों की जीवन-दृष्टि में शांति और मानव कल्याण की समान धारा बहती है। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं उल्लेख किया कि गुजरात के वडनगर से लेकर वाराणसी तक भारत की बौद्ध परंपरा और भूटानी आध्यात्मिकता में समानता है। आज जब विश्व वैचारिक विभाजन, जलवायु संकट और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रहा है, भारत-भूटान का यह शांतिपूर्ण विकास मॉडल एशिया के लिए प्रेरक उदाहरण बन रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत-भूटान साझेदारी की रीढ़ 'जलविद्युत' है। चौथे राजा के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू हुई यह साझेदारी आज एक निर्णायक मोड़ पर है। प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा के अनुसार, नया 1000 मेगावाट का पनबिजली प्रकल्प भूटान की क्षमता में 40 प्रतिशत वृद्धि करेगा, यह न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम है, बल्कि भारत की 'ग्रीन एनर्जी ग्रिड' रणनीति का भी सशक्त आधार बनेगा।

भूटान का 'कार्बन-नेगेटिव' दर्जा–विश्व में अद्वितीय–भारत-भूटान पर्यावरणीय साझेदारी की नैतिक ऊँचाई को दर्शाता है। यह सहयोग चीन की तीव्र औद्योगिक विस्तार नीति के बरक्स एक वैकल्पिक सतत विकास मॉडल प्रस्तुत करता है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी के शब्द -केन्द्रीय एशिया से लेकर उत्तर-पूर्व भारत तक भारत की सामरिक सोच का मूल सूत्र बन चुके हैं। गेलफू और सामत्से को भारत की रेल-परिवहन प्रणाली से जोड़ने की पहल, न केवल व्यापारिक लाभ बल्कि सामरिक पहुँच के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन जिस प्रकार भूटान की उत्तरी सीमाओं पर दबाव बना रहा है, उस संदर्भ में भारत-भूटान के बीच सड़क, रेल और डिजिटल संपर्क को मजबूत करना रक्षा-नीति की दृष्टि से अनिवार्य कदम है। भावनात्मक गहराई जोड़ती है। साथ ही भूटान का भारत के प्रति 'दिल्ली विस्फोट' की घटना के बाद दिखाया गया मानवीय संवेदना-भरा समर्थन और पीड़ितों के लिए विशेष प्रार्थना, दोनों देशों के बीच भावनात्मक एकात्मता का ज्वलंत प्रमाण है। हम आपको बता दें कि भूटान की भौगोलिक स्थिति भारत की उत्तर-पूर्व सुरक्षा रणनीति का अनिवार्य हिस्सा है। डोकलाम क्षेत्र में 2017 की झड़पों ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भूटान की स्थिरता प्रत्यक्ष रूप से भारत की सीमा-सुरक्षा से जुड़ी है। इस परिप्रेक्ष्य में मोदी का यह दौरा चीन को एक स्पष्ट संकेत देता है कि भारत अपने मित्रों के साथ खड़ा है और हिमालय की रक्षा केवल सीमाओं की नहीं, सभ्यताओं की रक्षा है। बहरहाल, भारत और भूटान का संबंध अब केवल परंपरा का प्रतीक नहीं, बल्कि आधुनिक भू-राजनीतिक यथार्थ का सशक्त उपकरण बन चुका है। यह वह साझेदारी है जिसमें आध्यात्मिकता और रणनीति, संस्कृति और सुरक्षा, ऊर्जा और पर्यावरण, सब एक दूसरे के पूरक हैं। आज जब एशिया की शक्तियाँ नए संतुलन की खोज में हैं, भारत-भूटान का यह सहयोग विश्वास की ऊँचाई पर खड़ा दिखाई देता है। यह संबंध बताता है कि विकास का मार्ग केवल आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि मूल्य, मित्रता और साझा मानवता से प्रशस्त होता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भागवत की नई दृष्टि और समरस भारत की परिकल्पना

(ललित गर्ग)

मोहन भागवत का यह वक्तव्य संघ की विचारधारा में निहित उस भारतीय दर्शन की पुनः पुष्टि करता है जिसमें धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं बल्कि जीवन-मूल्यों का समुच्चय है। संघ के लिए हिंदुत्व किसी धर्म विशेष का नाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह पद्धति है जिसमें समरसता, सह-अस्तित्व, करुणा और राष्ट्रनिष्ठा के तत्व समाहित हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रायः हिंदूवादी संगठन के रूप में देखा जाता रहा है, परंतु वस्तुतः वह केवल एक धार्मिक या सांप्रदायिक संगठन नहीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीयता की जीवंत चेतना का प्रतीक है। संघ की मूल प्रेरणा वसुधैव कुटुम्बकम् के भाव से उपजी है, जो भारत की सनातन संस्कृति की आत्मा है। इसी दृष्टि का विस्तार संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हालिया बेंगलुरु वक्तव्य में परिलक्षित हुआ, जब उन्होंने खुले हृदय से कहा कि ईसाई और मुसलमान भी संघ में शामिल हो सकते हैं। यह कथन न केवल साहसिक है बल्कि यह नए भारत, विकसित भारत और संतुलित भारत की सोच का परिचायक भी है। संघ में मुस्लिम, ईसाई समेत किसी भी संप्रदाय के लोगों के स्वागत की भागवत के वक्तव्य की व्यापक चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन यह वक्तव्य संघ की व्यापक सोच का भी परिचायक है और उसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। मोहन भागवत का यह वक्तव्य संघ की विचारधारा में निहित उस भारतीय दर्शन की पुनः पुष्टि करता है जिसमें धर्म का अर्थ संप्रदाय नहीं बल्कि जीवन-मूल्यों का समुच्चय है। संघ के लिए हिंदुत्व किसी धर्म विशेष का नाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह पद्धति है जिसमें समरसता, सह-अस्तित्व, करुणा और राष्ट्रनिष्ठा के तत्व समाहित हैं। यही कारण है कि संघ की दृष्टि में हिंदुत्व का अर्थ भारतीयता है अर्थात् भारत की संस्कृति, परंपरा, इतिहास, संवेदना और जीवनशैली से आत्मीय जुड़ाव। ऐसा नहीं है कि इसके पहले संघ में विभिन्न संप्रदायों के लोगों को आने की अनुमति नहीं थी, यह अनुमति पहले से है और सच तो यह है कि उसके कार्यक्रमों में विभिन्न संप्रदायों के लोग आते भी रहे हैं। इनमें मुस्लिम और ईसाई भी हैं। इस सबके बाद भी धारणा यह भी है कि संघ के कार्यक्रमों में केवल हिंदू संप्रदाय के लोग शामिल होते हैं। इस धारणा का कारण यह है कि हिंदू संप्रदाय को लेकर संघ की अपनी विशिष्ट धारणा और परिभाषा है। उसके अनुसार देश में रहने वाले सभी लोग हिंदू ही हैं, भले ही उनका संप्रदाय और उनकी उपासना पद्धति कुछ भी हो। संघ की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया गया है कि चूंकि इस देश में रहने वाले समस्त लोगों के पूर्वज हिंदू ही थे, इसलिए वह सभी को हिंदू के रूप में देखता, मानता और संबोधित करता है। आखिर इस अवधारणा में कठिनाई क्या है? संघ के दूसरे सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर ने कहा था, हिंदुत्व केवल धर्म नहीं, वह संस्कृति है, जीवन का एक दृष्टिकोण है। इसी सूत्र को आगे बढ़ाते हुए मोहन भागवत स्पष्ट करते हैं कि हिंदुत्व किसी जाति, भाषा, मज़हब या सीमित परंपरा का नाम नहीं है। संघ यह मानता है कि भारत में रहने वाले सभी लोग, चाहे वे किसी भी पंथ या विश्वास से जुड़े हों, इस धरती के सांस्कृतिक उत्तराधिकारी हैं। इसीलिए वे भारतीय हैं और इस दृष्टि से हिंदू अर्थात् इस भूमि की सभ्यता के उत्तराधिकारी। संघ की दृष्टि में हिंदू शब्द धार्मिक पहचान से अधिक सांस्कृतिक अवधारणा है। यह भारतीय जीवन का पर्याय है, जो समानता, सहिष्णुता और एकात्मता में विश्वास करता है। यही भाव सर्वे भवन्तु सुखिनः और एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति जैसे मंत्रों में प्रतिध्वनित होता है। आज की राजनीति में समाज को जाति, धर्म और भाषा के आधार पर बाँटने का जो विषवमन चल रहा है, उससे राष्ट्र की एकात्मता को गहरी चोट पहुँच रही है। संघ का उद्देश्य इस विभाजनकारी मानसिकता के प्रतिरोध में खड़ा होना है। मोहन भागवत का यह वक्तव्य इसी विषहरण की प्रक्रिया का हिस्सा है, एक ऐसी पुकार जो समाज के हर वर्ग को यह विश्वास दिलाती है कि राष्ट्र की आत्मा किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान में नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना में निहित है। संघ के लिए राष्ट्र ही सर्वोच्च देवता है। इस राष्ट्रभक्ति के केंद्र में धर्मनिरपेक्षता नहीं बल्कि धर्मसम्मतता है अर्थात् ऐसी आस्था जो सभी मतों का सम्मान करती है। इसी भाव से प्रेरित होकर संघ अपने कार्यकर्ताओं को हिंदू समाज की सेवा के माध्यम से समग्र भारतीय समाज की एकता का लक्ष्य देता है। भागवत का यह संदेश उस भारत की परिकल्पना करता है जिसमें मतभेद तो हो सकते हैं, पर मनभेद नहीं। वे मानते हैं कि जो भी इस भूमि में जन्मा है, उसका पूर्वज कोई न कोई हिंदू ही रहा है। यह कथन ऐतिहासिक नहीं, सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि भारत की सभ्यता का मूल एक ही रहा है, जिसने विविध रूपों में विकसित होकर अनेक धर्मों और संप्रदायों को जन्म दिया। इस संदर्भ में भागवत का दृष्टिकोण गांधीजी की उस संकल्पना से मेल खाता है जिसमें उन्होंने कहा था- मेरा हिंदुत्व सबको समेटने वाला है, किसी को बाहर करने वाला नहीं। यही समावेशी भाव राष्ट्र की एकता का आधार बन सकता है। यदि संघ इस पर बल देता है कि उसका उद्देश्य हिंदुओं को संगठित करना है तो इसका अर्थ यही भी है कि वह सभी भारतीयों को संगठित करके एक सशक्त राष्ट्र की परिकज्पना करता है। कठिनाई यह है कि उसके विरोधी यह प्रचारित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते कि वह तो केवल हिंदू समाज का संगठन है। चूंकि यह दुष्प्रचार बड़े पैमाने पर हो रहा है, इसलिए आवश्यक हो जाता है कि संघ के स्तर एवं अन्य स्तरों पर इन देश तोड़क स्थितियों एवं दुष्प्रचार का स्पष्टीकरण होता रहे। संघ को लेकर फैलायी जा रही यह भ्रांति एवं गुमराह पूर्ण स्थितियों का खुलासा होना जरूरी है कि संघ संप्रदाय विशेष के लोगों को एकजुट करने का कार्य कर रहा है। यदि यह मिथ्या धारणा दूर हो सके तो संघ का कार्य और अधिक आसान एवं सृजनात्मक हो जाएगा, लेकिन यह मानकर चला जाना चाहिए कि संघ के विरोधी उसके बारे में दुष्प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रखी है। जो भी हो, संघ प्रमुख ने यह कहकर एक तरह से अपने विरोधियों और आलोचकों की ओर मित्रता का हाथ बढ़ाया है कि उसके कार्यक्रमों में सभी संप्रदायों के लोग आ सकते हैं, लेकिन केवल भारत माता के पुत्र के रूप में। उनकी इस पहल का सकारात्मक उत्तर दिया जाना चाहिए, उसका व्यापक स्तर पर स्वागत भी होना चाहिए। लेकिन बड़ी विडंबना यह है कि कुछ लोग भारत को माता के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं। क्या यह किसी से छिपा है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से भारत माता की जय कहने से बचा जाता है? पिछले दिनों इसी संकीर्ण दृष्टि के कारण वंदे मातरम् के विरोध में स्वर सुनाई दिए। इक्कीसवीं सदी का भारत केवल आर्थिक या तकनीकी महाशक्ति नहीं बनेगा, यदि उसके भीतर मानसिक और सांस्कृतिक एकता का सूत्र न हो। संघ इसी सूत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। भागवत का संदेश भारत के बहुलतावाद और धार्मिक विविधता में निहित एकता को स्वीकार करता है। यह एक ऐसा आमंत्रण है जो हर नागरिक को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि भारतीयता हमारी साझा पहचान है, बाकी सब उपाधियाँ हैं। यही भाव राष्ट्र को अखंडता, शांति और विकास के पथ पर अग्रसर करेगा।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बीएलओ ने घर-घर जाकर बांटे गणना प्रपत्र

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले के नगरीय निकाय क्षेत्रों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रारंभ हो गया हैं। जिसके तहत किरन्दुल गजराज कैम्प कलामंच में शिविर लगाकार बीएलओ डोमन साहू एवं सुरेंद्र साहू द्वारा एसआईआर हेतु फॉर्म भरा जा रहा हैं। सुपरवाइजर शंकर चौधरी भी प्रत्येक बीएलओ के साथ निरंतर सम्पर्क कर, बी एल ओ को अपना यथासंभव सहयोग कर रहें हैं। बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) वितरित किए गए। भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर के तहत पुनरीक्षण के लिए अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। इसके लिए 4 दिसंबर 2025 तक गणना प्रपत्र भरे जाएंगे। इस संबंध में जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी पात्र नागरिकों से एसआईआर में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे मतदाता सूची में अपनेनाम का सत्यापन अवश्य कराएं। मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यत्तन और त्रुटि रहित बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष एसआईआर के लिए नागरिक अपने मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी के माध्यम से ऑनलाइन गणना प्रपत्र भरकर जमा कर सकते है। मतदाता अपने मोबाइल फोन पर ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड कर या वोटर्स डॉट ईसीआई डॉट जीओव्ही डॉट इन वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन गणना प्रपत्र भर सकते है। फॉर्म भरने में किसी प्रकार की कठिनाई होने पर मतदाता टोल-फ्री नंबर 1950 पर फोन कर या अपने बूथ लेवल अधिकारी से सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। मतदाता को फॉर्म भरने में किसी भी तरह की परेशानी न हो इसको ध्यान में रखते हुए जिला एवं तहसील स्तर पर हेल्प डेस्क एवं आईटी डेस्क स्थापित किए गए हैं, जिसमें कार्यालयीन समय पर अधिकारी कर्मचारी मतदाताओं के सहायता के लिए उपस्थित रहते हैं।

श्री राधा कृष्ण मंदिर में भक्ति का सागर, स्वामी नित्यानंद ने भक्तों को दीक्षा दी

किरंदुल। श्री राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण किरंदुल भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा रहा। पखांजूर स्थित नर नारायण सेवा आश्रम से पधारे स्वामी सत्यानंद परमहंस देव ब्रह्मचारी के शिष्य स्वामी नित्यानंद ब्रह्मचारी के आगमन पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। उन्होंने विधि-विधान के साथ अजीत मंडल कल्पना मंडल अक्षत मंडल विधान सरकार प्रिया सरकार विकास सरकार दंतेशु सानापाल सुधा सानापाल बासंती बोस सहित अनेक भक्तों को दीक्षा दिया। दीक्षा ग्रहण करने पहुंचे भक्तों में खासा उत्साह और भावात्मक जुड़ाव देखने को मिला। उन्होंने कहा कि स्वामी के सान्निध्य में उन्हें नई ऊर्जा और आध्यात्मिक शांति मिली है। दीक्षा समारोह की शुरुआत मंत्रोच्चार और भजन-कीर्तन के साथ हुई, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग से भर दिया। स्वामी नित्यानंद ने भक्तों को सदभाव, संयम और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि दीक्षा केवल एक संस्कार नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला आध्यात्मिक संकल्प है। स्वामी ने अपने आशीर्वचन में साधना, सत्संग और चरित्र निर्माण के महत्व पर विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि मनुष्य यदि अपने भीतर शांति और करुणा का भाव जागृत कर ले, तो जीवन सहज और सौम्य हो जाता है। मंदिर समिति के अध्यक्ष तुलसी राय सचिव बिप्लव मल्लिक ने बताया कि स्वामी नित्यानंद ब्रह्मचारी का आगमन क्षेत्र के लिए सौभाग्य की बात है। उनके प्रवचन और उपदेशों से श्रद्धालुओं में आध्यात्मिक जागरण तेज हुआ है। दीक्षा संस्कार के दौरान मंदिर में नर नारायण सेवा संघ के अनेक शिष्य मौजूद रहे।

कर्मचारियों को एस्मा लगाकर भय दिखाना अलोकतांत्रिक : संतराम नेताम

■ एस्मा से भाजपा सरकार का कर्मचारी विरोधी चेहरा उजागर

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष संतराम नेताम ने सोसाइटी कर्मचारियों की हड़ताल तोड़ने एस्मा कानून लागू किये जाने का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि सोसाइटी कर्मचारियों की जायज मांगें पूरी करने में विफल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तानाशाही पर उतर आए हैं। सरकार का काम जनता की सेवा में तैनात सरकारी कर्मचारियों का समुचित पोषण करना है ताकि वे जनता की सेवा पूरी मुस्तैदी से करें। लेकिन विष्णुदेव सरकार अपने ही कर्मचारियों का दमन कर रहे हैं। संतराम नेताम ने कहा कि हड़ताल पर बैठे न्यायोचित मांगों की पूर्ति के लिए अनशन का रास्ता चुना। उन्हें उम्मीद थी कि सत्ता में आने के लिए भाजपा ने हर तरह के कर्मचारियों को जो सब्जबाग दिखाए थे, उन्हें धरातल पर लायेगी। पूर्वरती कांग्रेस सरकार में भाजपा के बड़े बड़े हड़ताली पंडाल में पहुंच जाते थे। राज्य में बीजेपी सरकार आते ही किसी वर्ग से किये वादे पूरे करना तो दूर कर्मचारियों की मांगों को सुनने विष्णुदेव साय तैयार नहीं हैं। संतराम नेताम ने कहा कि दो साल से सभी वर्गों के कर्मचारियों अधिकारियों का शोषण किया जा रहा है। महंगाई भत्ते के लिए आंदोलन करना पड़ता है। ऐसा कोई कर्मचारी संघ शेष नहीं है, जिसने विष्णुदेव सरकार के खिलाफ मोर्चा न खोला हो। अपनी मांगों के समर्थन में अनशन पर बैठने वाले कर्मचारियों पर अब तक विष्णुदेव साय की पुलिस के डंडे बरस रहे थे, अब सोसाइटी कर्मचारियों का दमन करने एस्मा लगाया गया है। यह कर्मचारियों के असंतोष को दबाने का तानाशाही फरमान है।

शोषण की राजनीति कर रही भाजपा सरकार

विष्णुदेव साय का लोकतांत्रिक व्यवस्था में जरा सा भी भरोसा नहीं है। हर तरफ शोषण की राजनीति कर रहे हैं। कर्मचारियों की मांग पूरी नहीं कर सकते तो छत्तीसगढ़ के समस्त कर्मचारियों से हाथ जोड़ लें। उन्हें बर्खास्त करने की क्या जरूरत है। विष्णुदेव साय भय का साम्राज्य चला रहे हैं। आज सोसाइटी कर्मचारियों ने उनके एस्मा आदेश की प्रतियां जलाई हैं। आने वाले समय में यह असंतोष इनकी लंका का दहन कर देगा। कांग्रेस सोसाइटी कर्मचारियों की उचित मांगों का समर्थन करती है और सत्ता में आने पर सभी उचित मांगों को पूरा करेगी।

डराने की बजाय निकालें समाधान

संतराम नेताम ने कहा कि साय सरकार डराने के बजाए कर्मचारियों की समस्याओं का हल निकालने का प्रयास करे, हड़ताल कर्मचारियों का संवैधानिक अधिकार है।

बीजापुर में मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 9 मरीजों की आंखों में संक्रमण

कांग्रेस की 6 सदस्यीय जांच कमेटी ने खोली पोल, भाजपा सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

बीजापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने बीजापुर जिले में मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 9 मरीजों की आँखों में संक्रमण की गंभीर घटना को ध्यान में रखते हुए भानुप्रतापपुर की विधायक सावित्री मंडावी के नेतृत्व में 6 सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया था। जांच कमेटी ने प्रभावित मरीजों के परिजनों से मुलाकात की और अस्पताल के डॉक्टरों से बातचीत कर वास्तविक स्थिति से अवगत हुई। इसके बाद जिला मुख्यालय बीजापुर में कांग्रेस जांच कमेटी ने प्रेस वार्ता आयोजित की। प्रेस वार्ता में जांच कमेटी की संयोजक तथा भानुप्रतापपुर की विधायक सावित्री मंडावी ने कहा कि मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए मरीजों को जिला अस्पताल बीजापुर लाया गया और ऑपरेशन किया गया। इसके बाद मरीजों को वापस घर भेज दिया गया। इस पूरी प्रक्रिया में उनके परिजनों को जानकारी तक नहीं दी गई और किसी परिवारजन को मरीजों से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। इस तरह मोतियाबिंद ऑपरेशन में घोर अनियमितता बरती गई। ऑपरेशन के बाद मरीजों की उचित देखभाल नहीं की गई तथा उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया, जिसके कारण 9 मरीजों की आँखों में संक्रमण हो गया। संक्रमण बढ़ने पर मरीजों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें तत्काल रायपुर रेफर कर दिया। वहां उनका इलाज अभी जारी है। जांच दल की संयोजक सावित्री मंडावी ने प्रेस वार्ता में आगे कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की भाजपा सरकार बनने के बाद से बस्तर के आदिवासियों का विभिन्न रूपों में शोषण हो रहा है। कभी आदिवासियों को जेल में डाला जाता है, कभी उनकी मूल निवास की जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है और अब उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हुए आँखों की रोशनी नष्ट करने की कोशिश की जा रही है, जिसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम पर दुख व्यक्त करते हुए बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि बीजापुर जिले में स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा चुकी हैं। इतनी बड़ी घटना हो जाती है और किसी को पता तक नहीं चलता। जिले के लोगों की स्वास्थ्य चिंता न सरकार को है और न ही प्रशासन को। शासन स्तर पर तीन सदस्यीय जांच दल चुपके से बीजापुर आता है और चला जाता है, लेकिन अभी तक किसी ने इस घटना को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई है। प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बावजूद प्रदेश का आदिवासी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में यह भी कहा कि मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद 9 मरीजों की आँखों में हुए संक्रमण की घटना को जानबूझकर उजागर होने से रोकने और दबाने का काम भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किया है। उन्होंने मोतियाबिंद ऑपरेशन में हुई लापरवाही की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग भाजपा सरकार से की। प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस जांच दल के सदस्य पूर्व विधायक नारायणपुर चंदन कश्यप, प्रदेश कांग्रेस कमेटी की महामंत्री एवं जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं पीसीसी सदस्य शंकर कुड़ियम, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर सहित पीसीसी सदस्य व जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता ज्योति कुमार, जिला पंचायत सदस्य लच्छू राम मौर्य, मीडिया प्रभारी राजेश जैन, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उसूर के अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य मनोज अवलम, नगर अध्यक्ष पुरुषोत्तम खत्री और पूर्व नगर उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

धान संग्रहण केंद्र की मांग : भानुप्रतापपुर के किसानों का 17 और 18 नवंबर को दो दिवसीय 'चक्का जाम'

भानुप्रतापपुर। ग्राम बांसला और आसपास के किसानों में नवीन धान संग्रहण केंद्र खोलने की वर्षों पुरानी लंबित मांग पूरी न होने के कारण गहरा आक्रोश है। शासन-प्रशासन की ओर से आदेश जारी न होने पर, समस्त ग्रामवासियों ने 16 नम्बर को बैठक कर 17 और 18 नवंबर को दो दिवसीय धरना और चक्काजाम करने का निर्णय लिया है। किसान नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि 17 और 18 नवंबर को सुबह 10 बजे से संबलपुर के मुख्य चौक, कृषि उपज मंडी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को चेताया है कि यदि स्थिति बिगड़ती है, तो इसकी पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

वर्षों से लंबित मांग और किसानों की मजबूरी

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित लेम्पस संबलपुर के कार्यक्षेत्र में आने वाले बांसला, जुनवानी, चवेला, तुडगे, जातावाड़ा, उत्तामगर और जेपरा के किसान पिछले कई वर्षों से संग्रहण केंद्र की मांग कर रहे हैं। यह मांग पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और भूपेश बघेल के कार्यकाल में भी उठाई गई थी, लेकिन हर बार प्रस्ताव लंबित ही रहा। वर्तमान में, इन क्षेत्रों के किसानों को अपना धान बेचने के लिए 10 से 15 किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर कृषि उपज मंडी संबलपुर जाने को मजबूर होना पड़ता है। लंबी ढुलाई के कारण उन्हें भारी परेशानी और अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है।

बार-बार 'ओके' रिपोर्ट, फिर भी आदेश नहीं

किसानों और पंचायत प्रतिनिधियों के अनुसार, संग्रहण केंद्र की स्थापना के लिए अनुकूल निरीक्षण बार-बार भेजी गई हैं। 8 अक्टूबर 2024: सहकारी विभाग के निरीक्षण दल ने स्थल का परीक्षण कर 'ओके' रिपोर्ट भेजी। 4 जून 2025: खाद्य विभाग के अधिकारियों ने पूर्व लेम्पस अध्यक्ष व प्रबंधक की उपस्थिति में फिर से स्थल निरीक्षण कर पंचनामा तैयार कर 'ओके' रिपोर्ट भेजी। इन अनुकूल रिपोर्टों के बावजूद, 14 नवंबर 2025 तक नवीन धान संग्रहण केंद्र खोलने का आदेश जारी नहीं हुआ है।

शीर्ष नेतृत्व से लेकर स्थानीय अधिकारियों तक को ज्ञापन

क्षेत्र के किसानों और युवा साथियों ने लगातार अपनी समस्या को लेकर राज्य के शीर्ष नेतृत्व को आवेदन दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, एसडीएम और तहसीलदार सहित कई अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। किसानों और जनप्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर से अंतिम अनुरोध किया है कि नवीन धान संग्रहण केंद्र खोलने का आदेश शीघ्र जारी किया जाए। उनका कहना है कि यह आंदोलन वर्षों से लंबित उनकी इस बुनियादी मांग का समाधान न होने के कारण उनकी मजबूरी है।

पर्याप्त सुविधाएं प्रशासन पर निष्क्रियता का आरोप

स्थानीय युवाओं और किसान संघ का कहना है कि ग्राम पंचायत बांसला में केंद्र खोलने के लिए पर्याप्त सुविधाएँ पहले से मौजूद हैं। तीन साल पहले खाद गोदाम का निर्माण पूरा हो चुका है और धान खरीदी के लिए पर्याप्त जगह भी उपलब्ध है। सुविधाओं के बावजूद केंद्र शुरू न होने से किसान आक्रोशित हैं और कह रहे हैं कि शासन प्रशासन सोया हुआ है।

भैरमगढ़ में दो ठिकानों से 350 बोरी अवैध धान जब्त, प्रशासन की सघन कार्रवाई

बीजापुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होते ही जिला प्रशासन अवैध धान के लेनदेन पर पूरी तरह अलर्ट है। सीमावर्ती जिला होने की वजह से बीजापुर में बाहर से धान लाए जाने की आशंका बढ़ जाती है। इसी कारण सभी अंतरराज्यीय चेक पोस्टों पर चौबीसों घंटे निगरानी की व्यवस्था की गई है। इसी अभियान के दौरान भैरमगढ़ के एक कॉम्प्लेक्स में दो अलग-अलग ठिकानों से करीब 350 बोरी अवैध धान जब्त किया गया। यह धान निवासी राशि रमन पटेल और राजा मिश्रा के कब्जे से मिला। कार्रवाई के वक्त तहसीलदार भैरमगढ़, फूड इंस्पेक्टर और मंडी निरीक्षक मौके पर मौजूद थे। धान को सीज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि खरीदी सीजन में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अवैध भंडारण या परिवहन में लिप्त पाए जाने पर सख्त कदम उठाए जाएंगे। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अपना उत्पादित और वैध धान ही बेचें। प्रशासन का कहना है कि सभी के सहयोग से खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी और सुचारू रखा जा सकता है।

इंटीग्रेटेड योग शिविर का हुआ शुभारंभ

किरंदुल। समस्त नगरवासी गीदम एवं पतंजलि परिवार के सहयोग से पांच दिवसीय इंटीग्रेटेड योग विज्ञान शिविर नगरवासियों की उपस्थिति में भारत माता की आरती के साथ शुभारंभ हुआ। यह शिविर 16 नवंबर से 20 नवंबर तक प्रतिदिन प्रातः 5:30 से 7:00 बजे तक सरस्वती शिशु मंदिर, उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण, गीता नगर गीदम में संपन्न होगा। समिति ने बताया कि व्यस्त जीवनशैली में लोग योग से दूर होते जा रहे हैं, जिससे सर्दी- खांसी, साइनस, अस्थमा, डायबिटीज, हृदय रोग, मोटापा, जोड़ों का दर्द, कब्ज और मानसिक तनाव जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। ऐसे में यह योग- शिविर स्वस्थ और संतुलित जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। साथ ही समिति ने नगर वासियों से आग्रह किया है कि वह अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन का लाभ उठाएं।

जायसवाल निको लौह अयस्क खदान छोटेडोंगर में 9वां खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह का आयोजित

छोटेडोंगर। भारतीय खान ब्यूरो रायपुर के तत्वाधान में संचालित 9वें खान पर्यावरण एवं संरक्षण सप्ताह का आयोजन छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान, जायसवाल निको में 09 नवंबर से 15 नवंबर के मध्य किया गया। खदान के निरीक्षण हेतु डॉ अजय प्रताप सिंह (सहा. महाप्रबंधक, जियोलॉजी) अरासमेटा लाइमस्टोन खदान, (नुवाको विसटा कॉरपोरेशन), लिलेश्वर देशमुख, प्रबंधक खनन (श्री सीमेंट लिमिटेड) एवं नारिंगा चौधरी, उप-प्रबंधक खनन (अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड) की टीम उपस्थित रही। संरक्षण सप्ताह के इस वर्ष के थीम सतत खनन पर आधारित इस निरीक्षण के दौरान बाह्य निरीक्षकों को छोटेडोंगर खदान के अब तक के कार्यो, उपलब्धियों एवं आगे की योजनाओं को पावर प्वाइंट के माध्यम से दिखाया गया तत्पश्चात मुख्य अतिथि डॉ अजय सिंह एवं टीम द्वारा झंडा फहराने और कुछ फलदार वृक्षों के वृक्षारोपण उपरांत पूरे खदान का निरीक्षण भी करवाया गया। छोटेडोंगर खदान के बेहतर प्रबंधन, खूबसूरती, अच्छी सड़कें, सफल वृक्षारोपण और सतत खनन की योजनाओं की बाह्य निरीक्षकों की पूरी टीम द्वारा सराहना की गई। इस दौरान खदान के कर्मचारियों द्वारा माइनिंग टीम छोटेडोंगर के निर्देशन में संचालित हरित खनन- धरती की नई उम्मीद नाटक का मंचन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में पिछले माह संपन्न हुए स्वच्छता ही सेवा से जुड़े विभागों को पुरस्कृत भी किया गया। जिनमें छोटेडोंगर खदान से टीम खनन को प्रथम, टीम मानव संसाधन को द्वितीय, टीम मैकेनिकल एवं सहयोगीयो को तृतीय तथा टीम पर्यावरण, सर्वे और जिओलॉजी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। आशीष मिश्रा (उपाध्यक्ष, खनन) ने कार्यक्रम के समापन में सभी टीमों के कार्यो की सराहना करते हुए यही उत्साह बनाए रखने का संदेश दिया। नौवें खदान पर्यावरण संरक्षण सप्ताह के आयोजन को सफल बनाने में छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान के समस्त विभागों का सराहनीय योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

प्रतियोगियों को मिलेगी निःशुल्क कोचिंग, आवेदन 28 तक

बिलासपुर। जिले के एसटी, एससी एवं पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को एसएससी, बैंकिंग, रेलवे, व्यापम तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। प्रतियोगियों को यह कोचिंग राजीव युवा उत्थान योजना के अंतर्गत प्रदान की जाएगी। इसके लिए पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन मंगाए गए है। आवेदन की अंतिम तिथि 28 नवम्बर 2025 तक है। अभ्यर्थी अपना आवेदन पंजीकृत डाक से भेज सकते है या स्वयं उपस्थित होकर परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र बिलासपुर में जमा कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आवेदन के संबंध में विस्तृत जानकारी बिलासपुर के चांटीडीह रोड साईंस कालेज के पास परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र से प्राप्त की जा सकती है। अभ्यर्थी आवेदन एवं परीक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाईट पर भी प्राप्त कर सकते है।

युवा रत्न सम्मान के लिए आवेदन 30 नवम्बर तक

बिलासपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिले के युवाओं एवं संगठनों से युवा रत्न सम्मान (पुरस्कार) के लिए 30 नवम्बर 2025 तक आवेदन आमंत्रित किये गये है। आवेदन पत्र सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण, स्व. बीआर यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई से 30 नवम्बर तक प्राप्त कर जमा कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए विभाग की वेबसाईट का अवलोकन किया जा सकता है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी ने बताया कि असाधारण एवं विशिष्ट सेवा कार्य के लिए ''छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान'' प्रदान किया जाता है। जिसमें पुरस्कार राशि के रूप में युवा को 2.5 लाख रूपए एवं संगठन को 5 लाख रूपए दिये जाते है। साथ ही सामाजिक, साहित्य, उद्योग, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, सांस्कृतिक एवं लोककला के क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य और प्रदर्शन करने वाले 15 से 29 वर्ष के युवाओं को पुरस्कार स्वरूप 1-1 लाख रूपए की राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं राज्य शासन के कर्मचारी, सार्वजनिक उपक्रमों एवं विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में कार्यरत व्यक्ति पुरस्कार के लिए पात्र नहीं होंगे।

रोजगार कार्यालय में 20 नवम्बर को प्लेसमेंट कैम्प, निजी कंपनियां 293 पदों पर करेंगी भर्तियां

बिलासपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र कोनी द्वारा युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 20 नवम्बर 2025 को प्लेसमेंट कैम्प आयोजित किया जा रहा है। कैम्प में सवेरे 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक भर्ती प्रक्रिया चलेगी, जिसमें 04 निजी नियोजकों (कम्पनी) द्वारा फील्ड ऑफिसर, एग्रीकल्चर ब्रांच डेवलपमेंट ऑफिसर, कस्टमर सर्विसेस एक्जिक्युटिव, इलेक्ट्रिशियन, फील्ड टेक्निशियन इत्यादि कुल 293 विभिन्न पदों के लिये भर्ती संबंधी कार्यवाही की जाएगी। ऐसे रोजगार के इच्छुक आवेदक जिन्होंने 12 वीं, स्नातक (कोई भी विषय में) आदि उत्तीर्ण हैं, इस कैंप में भाग ले सकते है। योग्य उम्मीदवार अपने दो पासपोर्ट साइज फोटो, आधारकार्ड एवं समस्त शैक्षणिक योग्यता सम्बंधी अंकसूची, प्रमाण-पत्र की मूलप्रति व छायाप्रति के साथ उपस्थित हो सकते है। रोजगार पंजीयन कार्ड अपने साथ लाना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिये 222.द्रह्श्द्धद्दड्डह्न.ष्द्ध.द्दश्1.द्बठ्ठ और ष्द्धद्धड्डह्लह्लद्बह्यद्दड्डह्न्द्ध ऋश्द्धद्दड्डह्ल.श्च्श्च के माध्यम से एवं जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोनी बिलासपुर से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लगे कर्मचारियों के अवकाश पर रोक

बिलासपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में निर्वाचन नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जारी है। पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य 28 अक्टूबर प्रारंभ किया गया। 7 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। निर्वाचन संबंधी इस महत्वपूर्ण कार्य की निरंतरता बनाए रखने हेतु आयोग ने स्पष्ट किया है कि कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस अवधि में किसी भी प्रकार के अवकाश की अनुमति नहीं दी जाएगी। बिना अनुमति लिए गए अवकाश को स्वीकृत नहीं माना जाएगा। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची की तैयारी, पुनरीक्षण और सुधार का कार्य किया जाएगा। एसआईआर से संबंधित कार्य में लगे अधिकारियों-कर्मचारियों को उक्त पुनरीक्षण कार्य की अवधि में अवकाश स्वीकृति मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर की बिना अनुमति के स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

रायपुर रेल मंडल के भिलाई रनिंग रूम, लॉबी का जायजा लिया

महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा मेमू कार शेड,भिलाई का निरीक्षण

■ महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने संयुक्त क्रू बुकिंग लॉबी, बीएमवाई विभागीय संरक्षा संगोष्ठी में शामिल होकर बेहतर समन्वय,जिम्मेदारी एवं संरक्षा नियमों का पालन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया

बिलासपुर। श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने आज रायपुर-भिलाई रेलखंड का विंडो निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलखंड पर ट्रैक मेंटेनेंस, सिग्नलिंग सिस्टम, कर्व, समपार फाटक एवं क्रॉसिंग पॉइंट्स आदि की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गति प्रतिबंधों, संरक्षा मानकों एवं परिचालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने रायपुर रेल मंडल में स्थित मेमू कारशेड भिलाई के लेआउट का जायजा लिया कार्यों के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों के प्रति सचेत किया। मशीनों को रखरखाव के मापदंडों के अनुरूप रखने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान पेन्यूमेटिक टेस्ट रूम, इलेक्ट्रिकल टेस्ट रूम, ईएमसी टेस्ट बेंच, मेमू सवारी डिब्बों का निरीक्षण किया। सवारी डिब्बों के वॉशरूम की उचित साफ-सफाई की व्यवस्था का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। थ्री फेस और कन्वेंशनल मेमू रैक के सुरक्षित परिचालन से संबंधित आवश्यक पैरामीटर को चेक किया। विकासात्मक कार्यों को जांचा एवं परखा। यात्री सुविधाओं से संबंधित सुरक्षित परिचालन पर जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। मेमू कार शेड भिलाई में विभिन्न रेल संगठनों के प्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर रेल कर्मचारियों के कल्याण से

संबंधित चर्चा की ।महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने संयुक्त क्रू बुकिंग लॉबी, बीएमवाई का निरीक्षण किया एवं विभागीय संरक्षा संगोष्ठी में शामिल होकर बेहतर समन्वय,जिम्मेदारी एवं संरक्षा नियमों का पालन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया, लोको पायलट सहायक लोको पायलट ट्रेन मैनेजर एवं उनके परिजनों से लोको पायलटो के रेस्ट को लेकर चर्चा की परिवार के सदस्यों से वार्तालाप उनके परिवार की स्थिति के बारे में जानकारी ली तथा उनका मनोबल बढ़ाया । साथ ही स्क्क्ष्ठ से बचाव विषय पर महाप्रबंधक ने रेल संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी विभागों को बेहतर समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। सेमिनार में लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, गार्ड तथा संरक्षा से जुड़े विभाग के सुपरवाइजर अधिकारियों एवं कर्मचारियों से वार्ता करते हुए यात्रियों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देशों के पालन पर विशेष जोर दिया। फूट प्लेट इंस्पेक्शन, निर्धारित क्षेत्र में रेल परिचालन के निर्धारित गति का अनुपालन करने, इमरजेंसी ब्रेक, व्हिसिल कोड, लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर के बीच प्रॉपर कम्युनिकेशन बढ़ाने एवं तकनीकी ज्ञान कौशल बढाने पर जोर दिया। महाप्रबंधक ने कहा कि संरक्षा मानकों का पालन प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों को नवीन तकनीकों का उपयोग कर दक्षता बढ़ाने तथा दुर्घटनारहित संचालन सुनिश्चित करने की भी सलाह दी। सभी लोको पायलट, सहायक लोको पायलट को ड्यूटि के दौरान सिग्नल को दूर से अनुमान लगाने की कोशिश ना करने एवं सिग्नल की दृश्यता को ध्यान में रखते हुए मानक नियमों के अनुरूप कार्य करने की महत्वपूर्ण सलाह दिए।

कौशिक ने कड़ार केन्द्र में किया धान खरीदी अभियान का शुभारंभ

बिलासपुर। विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने बिल्हा विकासखण्ड के ग्राम कड़ार में धान खरीदी कार्य का शुभारंभ किया। दो किसानों से 134 क्विंटल धान की खरीदी यहां की गई। खरीदी के पहले श्री कौशिक ने दोनों किसानों का तिलक लगाकर और फूल माला से अभिनंदन किया। श्री कौशिक ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव की सरकार किसान हितैषी सरकार है। किसानों को धान बेचने में कोई दिक्कत नहीं आयेगी। निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ की लिमिट में एक-एक दाना धान खरीदने के लिए सरकार वचनबद्ध है। समर्थन मूल्य पर भुगतान के बाद कृषक उन्नति योजना के तहत प्रोत्साहन की राशि भी किसानों को एकमुश्त दी जायेगी। धान खरीदी का कार्य 31

जनवरी तक चलेगा। उन्होंने कहा कि धान खरीदी के अलावा किसानों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए और कई योजनाएं लागू की गई हैं। इन सब योजनाओं का लाभ उठाएं और अपनी आमदनी बढ़ाएं। उन्होंने नायब तहसीलदार एवं समिति प्रबंधक को किसानों के लिए छाया-पानी एवं बैठने की समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष रामकुमार कौशिक सहित लव श्रीवास, दिनेश पाण्डे, कोमल ठाकुर, लक्ष्मण कौशिक, हितेश सहित बड़ी संख्या में किसान एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

स्वच्छता सुदृढ़ीकरण हेतु निरंतर किए जा रहे हैं अभिनव पहल...

■ बिलासपुर स्टेशन में ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग स्टाफ ,पैंट्रीकार व क्लीन ट्रेन स्टाफ को गार्बेज डिस्पोज़ल प्रबंधन पर किया गया विशेष काउंसलिंग

बिलासपुर। दिनांक 16 नवम्बर 2025 को बिलासपुर स्टेशन में स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन को और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से सीसीई/बिलासपुर, स्टेशन सुपरिटेंडेंट (कमर्शियल), सिविल डिफेंस स्टाफ तथा सीएचआई/बिलासपुर द्वारा संयुक्त रूप से एक विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत ट्रेन संख्या 18477 उत्कल एक्सप्रेस में कार्यरत ह्रक्काऽस् स्टाफ एवं पैंट्रीकार के सभी कर्मचारियों को गार्बेज

डिस्पोज़ल मैनेजमेंट की प्रक्रियाओं, मानकों तथा इसके महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। स्वच्छता सुनिश्चित करने हेतु निर्धारित दिशा-निर्देशों के पालन पर जोर देते हुए उन्हें नियमित, जिम्मेदार एवं सुरक्षित कचरा निपटान के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही, बिलासपुर स्टेशन में कार्यरत ष्ट्ञ्जस् स्टाफ को भी कचरा संग्रहण, पृथक्करण एवं निपटान की प्रक्रियाओं सहित संपूर्ण स्वच्छता प्रबंधन प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे स्टेशन परिसर में स्वच्छता स्तर को और बेहतर बनाया जा सके। वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया - इस प्रकार की पहलें स्टेशन एवं ट्रेनों में स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और कर्मचारियों में जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करती हैं।

जिले में धान खरीदी व्यवस्था सुचारू रूप से शुरू- सेंदरी सहकारी समिति पहुंचे किसानों ने व्यवस्था पर जताई खुशी

बिलासपुर। प्रदेश में धान खरीदी के शुभारंभ के साथ ही जिले के सभी केंद्रों में खरीदी प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से जारी है। सेन्दरी सेवा सहकारी समिति में धान बेचने पहुंचे ग्राम सेन्दरी के किसान भूदेव पटेल ने खरीदी व्यवस्था को लेकर संतुष्टि जताई। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों से धान खरीदी के लिए समुचित इंतज़ाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वे इस वर्ष 112 क्विंटल धान बेचने केंद्र पहुंचे हैं, उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र पर टोकन कटने से लेकर धान तौलने तक की पूरी प्रक्रिया सहज और सुचारु रही। केंद्र में बारदाना उपलब्ध था, कर्मचारी सहयोगी थे और किसानों के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ पहले से

सुनिश्चित थीं। सेंदरी धान खरीदी केंद्र में धान बेचने पहुंचे किसान भूदेव पटले ने बताया कि वे ग्राम सेंदरी से है और 8 एकड़ में खेती करते है। 112 क्विंटल धान बेचने आज केंद्र पहुंचे है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किए जाने से किसानों को वास्तविक लाभ मिल रहा है। इस राशि से उनकी आय में स्थिरता आई है और खेती को आर्थिक मजबूती मिली है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की नियमित किस्तें बीज, खाद और अन्य कृषि कार्यों में बड़ा सहयोग देती हैं। भूदेव पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार ने किसानों की कठिनाइयों को समझकर जो निर्णय लिए हैं, उनके परिणाम अब जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। खेती-किसानी पहले की तुलना में आसान हुई है और हमारी बहुत सी समस्याओं का निराकरण हो गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा 15 नवंबर से धान खरीदी की शुरुआत की गई है जिले के सभी केंद्रों में धान खरीदी के व्यापक इंतजाम किए गए हैं ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

मानव व्यवहार एवं मनोविज्ञान विषयों पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य, व्यवहारिक जागरूकता तथा कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से आज एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार सीबीटी कक्ष बिलासपुर में आयोजित हुआ सेमिनार में मानव व्यवहार और मनोविज्ञान से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी प्रदान की गई जिससे कि रेलवे परिवार का प्रत्येक सदस्य मानसिक रूप से सशक्त एवं कार्य उन्मुख बने। निम्न विषयों पर चर्चा एवं इसके बेहतर प्रबंधन एवं बचाव के तरीके पर मार्गदर्शन दिया गया स्ट्रेस मैनेजमेंट - दैनिक जीवन व कार्यस्थल में उत्पन्न तनाव को पहचानकर उसे नियंत्रित करने तथा मानसिक संतुलन बनाए रखने की तकनीकों पर मार्गदर्शन दिया गया। माइंड कंट्रोल आइडिया - विचारों और भावनाओं को सकारात्मक दिशा में नियंत्रित रखने तथा नकारात्मक सोच से बचने के उपाय बताए गए। मेमोरी बढ़ाने के उपाय - याददाश्त को मजबूत करने, ध्यान केंद्रित करने और मानसिक सक्रियता बढ़ाने के सरल एवं प्रभावी तरीकों पर जानकारी दी गई। दर्द प्रबंधन - शारीरिक एवं मानसिक दर्द को कम करने, पहचानने और उससे निपटने के लिए अपनाए जाने वाले सुरक्षित उपायों पर चर्चा की गई। हाईपरमैनिया, हाइपोमैनिया - मनोदशा में अत्यधिक उत्तेजना या ऊर्जा स्तर में असामान्य वृद्धि जैसे व्यवहारों की पहचान और उनसे निपटने की मूलभूत जानकारी प्रदान की गई। बायपोलर डिसऑर्डर - अत्यधिक उत्साह और अत्यधिक अवसाद के बीच होने वाले मूड बदलावों की पहचान तथा प्रारंभिक प्रबंधन के तरीकों पर मार्गदर्शन दिया गया। अल्ज़ाइमर - उम्र बढ़ने पर होने वाली स्मृति क्षीणता, भूलने की प्रवृत्ति और इससे जुड़ी देखभाल की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी गई। डिमेंशिया - मानसिक क्षमताओं में कमी, निर्णय क्षमता और व्यवहार में बदलाव जैसे लक्षणों की पहचान तथा उनके प्रबंधन के बुनियादी उपाय बताए गए। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने, तनाव प्रबंधन तकनीकों को अपनाने एवं दैनिक जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। डॉ सागर कश्यप ने मानसिक समस्याओं की पहचान, समय पर हस्तक्षेप और आवश्यक मदद लेने के महत्व पर भी विस्तृत चर्चा की।

किसानों के चेहरों में आई मुस्कान,धान खरीदी का सिलसिला जारी

■ केंद्रों में सुविधाओं सहित बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता

■ सेंदरी केंद्र में आज 151 क्विंटल धान की हुई खरीदी

बिलासपुर। प्रदेश में 15 नवम्बर से धान खरीदी के शुभारंभ के साथ ही जिले में किसानों से धान खरीदी का सिलसिला जारी हो गया है। सेन्दरी सेवा सहकारी समिति में धान बेचने पहुंचे ग्राम कछार के किसान संतोष पटेल ने खरीदी व्यवस्था को लेकर संतुष्टि जताई। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों से धान खरीदी के लिए समुचित इंतज़ाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वे इस वर्ष 19 क्विंटल धान बेचने केंद्र पहुंचे हैं, उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्र में उन्हें किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। टोकन कटने से लेकर धान तौलने तक की पूरी प्रक्रिया सुचारू और व्यवस्थित रही। केंद्र में बारदाना भी उपलब्ध था, समिति में आवश्यक सभी सुविधाएँ पहले से सुनिश्चित थीं और सभी कर्मचारियों का व्यवहार सहयोगी था। श्री संतोष पटेल ने बताया कि वे छोटे किसान है और 90 डिसीमिल में खेती करते है। इसके साथ ही दूसरों के खेत अधिया में लेकर भी खेती करते है। उन्होंने कहा कि सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से किसानों को बड़ा संबल मिल रहा है। धान का मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित किए जाने से किसानों को वास्तव में लाभ मिल रहा है। इससे उन्हें आर्थिक मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि हम जैसे किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि बड़ा सहारा है। इससे हम बीज, खाद, मजदूरी और समय-समय पर अन्य कृषि कार्यों के खर्चों को पूरा करते हे। संतोष पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार द्वारा किसानों की समस्याओं को समझकर जो संवेदनशील

निर्णय लिए गए हैं, उससे किसानों का जीवन आसान हुआ है। अब उन्हें पहले जैसे तकलीफों का सामना नहीं करना पड़ता। किसानों के लिए उपलब्ध किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना के साथ ही अन्य योजनाओं का लाभ उन्हें मिल रहा है। जिससे वे खुशहाल जीवन बिता रहे है। उल्लेखनीय है कि जिले में 140 धान उपार्जन केंद्र है जिनमें धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सेंदरी स्थित सहकारी समिति को आदर्श केंद्र माना जाता है। आज केंद्र में किसानों से 151 क्विंटल धान की खरीदी की गई और 18 नवंबर को धान खरीदी के लिए 10 टोकन काटे गए है, जिनमें 400 क्विंटल धान की खरीदी की जाएगी।

दूसरे दिन जिले में 1333 क्विंटल धान की खरीदी एसीएस श्री पिंगुआ ने खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

बिलासपुर। धान खरीदी अभियान के दूसरे दिन जिले में आज 1333 क्विंटल धान की खरीदी की गई। खरीदी के लिए 28 सेन्टर खुले थे, लेकिन 7 सेन्टरों में आवक दर्ज की गई। इनमें कड़ार, गनियारी, जैतपुर, जयराम नगर, मल्हार, मानिकचौरी एवं सेन्दरी शामिल हैं। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कल 18 नवम्बर के लिए 58 केन्द्रों के लिए टोकन जारी किये गए हैं। इस बीच अपर मुख्य सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ ने आज तीन धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने छतौना, बोदरी एवं कड़ार केन्द्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीदी कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने चेकलिस्ट के अनुरूप उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया

क्या आप भी हैं कॉफी के एडिक्ट, तो ऐसे छुड़ाएं ये आदत!

बहुत से लोगों को कॉफी यानि कैफीन का नशा होता है. कुछ लोग चाहकर भी कैफीन की लत को छोड़ नहीं पाते. आज हम आपको बता रहे हैं कैसे आप आसानी से कुछ टिप्स अपनाकर कैफीन की लत से छुटकारा पा सकते हैं.

डीप ब्रीथ प्रैक्टिस- कैफीन विड्रायल सिम्टम से फाइट करने के लिए डीप ब्रीथ प्रैक्टिस करें. लंबी-लंबी गहरी सांसे लेने से कैफीन की स्ट्रांग क्रेविंग, एंजाइटी और बेचैनी को भी खत्म किया जा सकता है.

खूब पानी पीएं- कैफीन के एडिक्शन से बचने का बेहतर तरीका है कि पानी खूब पीएं. इससे आपकी क्रेविंग भी कम होगी. रोजाना पानी की अधिक मात्रा पीने से बॉडी डिटॉक्सीफाई होगी और आपकी बॉडी को ये हाइड्रेट रखेगा.

बेहतर नींद लें- अच्छी नींद से भी कैफीन की लत छुड़ाने में मदद मिलती है. लेकिन कम नींद लेने से आपकी कैफीन छुड़ाने की लत पर बुरा असर पड़ता है. हेल्दी स्लिप हैबिट अपनाएंगे तो धीरे-धीरे कैफीन की क्रेविंग कम होने लगेगी.

ग्रीन टी- कॉफी के बदले ग्रीन टी लेने की कोशिश करें. इसे पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं तो कि बॉडी से हार्मफुल टॉक्सिंस को बाहर निकालते हैं. ग्रीन टी पीने से ओवरऑल कैफीन इंटेक कम हो जाता है. काफी के बजाय दिनभर में 3 से 4 कप ग्रीन टी पीएं.

कुछ अन्य टिप्स-

रोजाना सुबह एक्सरसाइज करें.हेल्दी जूस का सेवन करें.प्रोटीन और मैग्नीशियम से भरपूर सप्लीमेंट्स या फूड का सेवन करें.जिनसेन हर्ब का इस्तेमाल करें ये कैफीन की लत को छुड़ाने में मदद करेगा.

मेकअप उतारने के कुछ आसान नैचुरल नुस्खे

ऑफिस, पार्टी, फंक्शन से आने के बाद जितना ज़रूरी कपडे बदलना होता है उतना ही ज़रुरी मेकअप उतारना होता है। इससे आपकी चेहरे की स्किन के रोम छिद्र भी खुल जाते है और पूरे दिन की धूल मिट्टी भी साफ हो जाती है। मेकअप उतारने के लिए आज बाजार में ढेरों प्रोडक्ट मौजूद है। लेकिन इन सब के ना होने के बाद भी आप अपना मेकअप उतार सकती है वो भी सुरक्षित तरीको से। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे ही सरल तरीके जिनकी मदद से आप अपना मेकअप तो उतार ही सकती है साथ ही इससे आपकी त्वचा में निखार और चमक भी बरकरार रहेगी।

दही

दही के फ़ायदे तो हम पहले से ही जानते हैं दही खाने और चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक आती है लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसे मेकअप उतारने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। जी हां, दही एक मेकअप रिमूवर भी है 7 इसके लिए सबसे पहले दही को अच्छी तरह से फेंट लें 7 फिर इसमें कॉटन बॉल डुबोकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ने के बाद जब मेकअप पूरी तरह निकल जाए तो चेहरा पानी से धो लें।

बेबी शैम्पू

बेबी शैम्पू से भी मेकअप रिमूव कर सकते है। एक कप पानी में आठ टी-स्पून ऑलिव ऑयल या कोकोनट ऑयल और आधा टीस्पून बेबी शैम्पू मिलाकर एक बोतल में भरकर आप इसे फ्रीज़ कर सकती है और जरुरत के वक्त इसे मेकअप रिमूव के प्रयोग में ला सकती है।

कच्चा दूध और बादाम तेल

एक टेबलस्पून कच्चे दूध में बादाम के तेल की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मेकअप छुड़ाएं। यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा होता है। इससे आपकी त्वचा मुलायम होती है।

जोजोबा एंड विटामिन ई ऑयल:

विटामिन ई त्वचा को मुलायम बनाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर होता है। जोजोबा ऑयल और एक विटामिन ई कैप्सलू को मिलाकर कांच की बोतल में रख दें। इससे वाटर प्रूफ मस्कारा लिक्विड आई लाइनर भी बिना ज्यादा मेहनत के रिमूव कर सकती है।

नारियल तेल

आपने कोकोनट ऑयल का प्रयोग मॉइश्चराइज़र, लिप बाम की तरह किया होगा। इसके साथ आप मेकअप रिमूवर के तौर पर इसे इस्तेमाल कर सकती है। थोड़ा-सा नारियल तेल हथेली पर लेकर इसे चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करे। ये स्किन को सॉफ्ट बनाता है और दाग-धब्बों को दूर करता है।

आंखों को इस तरह से लाभ पहुंचाता है ये सेब!

सेब के तो आपने बहुत फायदे सुने होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं ये आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है. आज आचार्य बालकृष्ण जी बता रहे हैं सेब के जरिए कैसे आंखों की समस्याओं को दूर रखा जा सकता है.

आंखों की परेशानी में सेब- जब आंखों में सूजन हो, लाली हो या फिर कोई इंफेक्शन हो तो कच्चे सेब को आग में भूनकर इसकी पोटली से आंख की सिंकाई करें. इससे एलर्जी और आंख की बाकी समस्याओं से निजात मिलेगी.

सेब की चाय- सेब की चाय बनाने के लिए कच्चे सेब के टुकड़े सुखा लें. सूखने के बाद इसमें तुलसी का पत्ता, पुदीना, काली मिर्च और लौंग मिलाकर उबाल लें. ये चाय का बेहतर विकल्प है. सेब की चाय सर्दी और खांसी में आराम देती है.

बिच्छू डंक में सेब- सेब की पत्तियां बिच्छू डंक में बहुत ही अच्छा काम करती हैं. सेब की 10 ग्राम पत्तियों को 400 ग्राम पानी में मसलकर डालें. बचा हुए पानी जब 100 ग्राम रह जाए तो उसमें सेंधा नमक डालकर इसका सेवन करें.

सेब के पत्ते के पानी में सेंधा नमक घोलकर 4 से 5 बूंदें बिच्छू के डंक के घाव को भरने के लिए बिच्छू जिस हिस्से में काटा है उसकी दूसरी तरफ कान में डाल दीजिए. आराम मिलेगा.

सर्दियों में हरी मटर खाने के है ये बेमिसाल फायदे, जानिए

यूं तो सभी सब्जियों के अपने अलग-अलग फायदे हैं तथा सभी सेहत के लिए लाभदायक होती हैं। लेकिन कुछ सब्जियां ऐसी होती है जो कि मौसम के अनुसार खाने से ही फायदा करती है। सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है और इस मौसम में हरी सब्जियां ज्यादा मिलती है।

मटर सर्दियों की सबसे अहम सब्जियों में से एक होती है। बहुत कम ही लोग होते है जो मटर के गुणों के बारे में जानते हैं। खाने खाने से आप कई तरह की गंभीर बीमारियों से भी बच सकते है। इसका रोजाना सेवन करने से कैंसर, मोटापा से बचाव होता है। जानिए इसको सेवन करने के फायदो के बारें में।

कैंसर से करें बाचव

मटर के सेवन से कैंसर का खतरा कम होता है। हर रोज इसे खाने से शरीर से कैंसर के घातक एलीमेंट दूर हो जाते है।

मोटापा से दिलाए निजात

यह फाइबर से भरपूर होती है। यह हमारी बॉडी को एनर्जी देने के साथ-साथ मेटाबॉल्जिम को बढ़ाता है। जिससे कि बॉडी से फैट की मात्रा को भी कम करता है।

मधुमेह

मटर खाने से मधुमेह नहीं होता है। मटर शरीर में खून के स्तर को नियंत्रित करता है। जिससे की डायबिटीस की समस्या नहीं होती है।

कोलेस्ट्रॉल को करें कम

मटर हमारी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने नहीं देती है। मटर खाने से बॉडी में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ता नहीं है। जिससे कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है।

उंगलियों की सूजन को करें कम

सर्दियों के दिनों जिन लोगों की उंगलियां सूज जाती है उनके लिए मटर काफी लाभदायक सिद्ध होता है। मटर के काढ़े के अंदर उंगलियां डुबोने से सूजन कम हो जाती है।

रखें जवां

मटर खाने से आपकी त्वचा लंबे समय के लिए जवान रहती है। इसमें फ्लैवानॉइड्स, फाइटोन्यूटिंस, कैरोटिन जैसे एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं।

याददाश्त बढ़ाएं

मटर का सेवन करने से याददाश्त बढ़ती है और यह फेफड़ों संबंधी बीमारियों को भी दूर करती है।

हड्डियों को रखें मजबूत

मटर में विटामिन होता है जो की हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। यह ऑस्टियोपोरोसिस के मरीजों के लिए असरदार होती है।

चेहरे की झाइयों को करें कम

मटर सेहत के लिए तो लाभदायक है ही साथ ही साथ सौंदर्य के लिए भी असरदार साबित होती है। मटर के आटे का उबटन चेहरे पर लगाने से चेहरे की झाइयां कम होती है।

टॉन्सिल की दिक्कत से जुड़ी हुई हैं ये समस्याएं भी

टॉन्सिल होने पर गले के दोनों ओर सूजन आ जाती है। शुरुआत में मुंह के अंदर गले के दोनों ओर दर्द महसूस होता है और बार-बार बुखार भी आता है। टॉन्सिल्स सामान्य से ज्यादा लाल हो जाते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि टॉन्सिल के कारण आपको कई अन्य तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। कुछ ऐसी ही समस्याओं पर एक नजर-

मुंह से बदबू आना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार, दुनिया की आधी आबादी मुंह की सफाई न करने के कारण मुंह की बदबू से ग्रस्त हैं। लेकिन टॉन्सिल की समस्या होने पर भी सांसों से बदबू आने लगती है। टॉन्सिल ग्लैंड दरारों से भरा होता है जहां बैक्टीरिया और डेड सेल्स अटक जाते हैं और इनके कारण मुंह से बदबू आने लगती है।

खर्राटों की समस्या

गले में बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण आपको खर्राटों की समस्या हो सकती है। अमेरिकन अकादमी ऑफ ओटालर्यनॉलजी के अनुसार, बढ़े हुए टॉन्सिल से खर्राटों की समस्या हो सकती है। जब बार-बार होने वाले संक्रमण के कारण टॉन्सिल का आकार बढ़ने लगता है तो गले में हवा के बहाव में रुकावट आने लगती है। जिससे खर्राटे की समस्या होती है।

साइनस इन्फेक्शन

बढ़े हुए टॉन्सिल से बार-बार साइनस और कान में इन्फेक्शन की समस्या हो सकती है। ऐसा नाक और कान को जोड़ने वाली नली बंद हो जाने से होता है और कान के पर्दे के पीछे पानी जमा हो जाता है। कभी-कभी कान से पस बाहर आने लगता है। इससे सुनने की क्षमता कम होने लगती है।

सिरदर्द की समस्या

बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण सोते समय सांस लेने में भी परेशानी होती है। नींद में इस तरह का खलल आने से ब्रेन तक सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और इसकी कमी से रक्त-वाहिनियों का आकार बढ़ जाता है और सिरदर्द होने लगता है।

प्लास्टिक के डिब्बों को साफ करने के लिए आजमाएं ये तरीके

आज के समय में ज्यादातर लोग स्टील और एल्युमिनियम के डिब्बों की जगह प्लास्टिक के डिब्बों का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि ये डिब्बे काफी हल्के होते हैं और इनके टूटने का डर भी नहीं होता। आजकल बाजार में ऐसे कंटेनर भी आ गए हैं जिन्हें माइक्रोवेव में भी रखा जा सकता है। इनमें खाना फ्रेश बना रहता है और साथ ही यह देखने में काफी आकर्षक भी होते हैं। हालांकि प्लास्टिक के कंटेनर का इस्तेमाल बहुत लंबे समय तक नहीं करना चाहिए साथ ही इनकी सफाई का भी पूरा ख्याल रखना चाहिए, वरना ये नुकसानदेह हो सकते हैं।

कई बार प्लास्टिक के डिब्बों को अच्छे से साफ न करने पर उनमें से बदबू आने लगती है और चिकनाहट बनी रह जाती है। ऐसे में यह जरूरी है कि आपको इन्हें साफ करने का सही तरीका पता हो-

1. बदबू दूर करने के लिए

अगर आपके प्लास्टिक के बॉक्स से बदबू आ रही है तो यह घरेलू उपाय आपके लिए उपयोगी रहेगा। एक बाल्टी गर्म पानी ले लें और उसमें तीन चम्मच बेकिंग सोडा डाल दें। प्लास्टिक के इन बॉक्स को बाल्टी में डाल दें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साफ करें। आप चाहें तो बाल्टी के इस पानी में नींबू का रस और सिरका भी मिला सकते हैं।

2. जिद्दी दाग

अगर आपके प्लास्टिक के डिब्बों पर जिद्दी दाग हैं तो उन्हें साफ करने के लिए क्लोरीन ब्लीच का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा रहेगा। दाग लगे डिब्बों को ब्लीच के इस मिश्रण में डालें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साबुन से धो लें। दाग दूर हो जाएंगे।

3. रख-रखाव

अगर आप नहीं चाहते कि प्लास्टिक के डिब्बों से बदबू आए तो एक बात का ख्याल हमेशा रखें कि इनमें लंबे समय तक खाना न रखें। साथ ही हर कंटेनर माइक्रोवेव फ्रेंडली हो, यह जरूरी नहीं। ऐसे में बिना जांचें इन्हें माइक्रोवेव में न रखें।

सर्दियों में त्वचा को यूं बनाएं खूबसूरत!

बदलते मौसम के साथ ही स्किन की खास देखभाल करना और भी जरूरी हो जाता है. स्किन में निखार लाने के लिए क्रीम और सीरम लगाने के अलावा कुछ ऐसे इंग्रेडीएंट्स भी हैं जो आपकी त्वचा को चमकदार और खूबसूरत बना सकते हैं. काया लिमिटेड की प्रमुख मेडिकल सर्विसेज एंड आर एंड डी संगीता वेलासकर ने अपनी खूबसूरती को लेकर विशेष रूप से सजग रहने वाली महिलाओं के लिए कुछ सुझाव दिए हैं.

कोलेजन हमारी कोशिकाओं से निकलने वाले प्रोटीन हैं जो त्वचा को एक साथ जकड़ कर रखने में मददगार होता है. कोलेजन त्वचा में कसाव लाकर जवां लुक देता है. जब हम युवा होते हैं तो हमारी त्वचा मोटी और कोमल होती है लेकिन उम्र बढ़ने के साथ कोलेजन बनना कम हो जाता है, जिसके चलते झुर्रियां पड़ने लगती है और जो कोलेजन मौजूद होते हैं वह भी सूर्य की हानिकारक किरणों के कारण नष्ट हो जाते हैं, इसलिए कोलेजन युक्त उत्पादों का इस्तेमाल करें. इससे आपकी त्वचा में कसाव और चमक आएगी और झुर्रियां और महीन रेखाएं खत्म हो जाएंगी.एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 एक प्रकार से न्यूरोपेप्टाइड होता है, जिसका इस्तेमाल मांसपेशियों को आराम देने के लिए किया जाता है.

यह झुर्रियां और महीन रेखाएं भी दूर करता है, इसलिए एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 युक्त सौंदर्य उत्पाद का इस्तेमाल करें.शरीर में कोलेजन बनना कम होने से झुर्रियां पड़ने लगती है, जबकि अत्यधिक कोलेजन से त्वचा ढीली होने लगती है.

ऐसे में हायलारोनिक युक्त उत्पाद का प्रयोग त्वचा में एसिड कोलोजन के स्तर को उचित मात्रा में बनाए रखता है और त्वचा में नमी बरकरार रखता है. इससे आपकी त्वचा जवां नजर आती है.ग्लाइकोलिक एसिड गन्ने के रस से निकलता है. यह अल्फा हायड्रॉक्सी समूह के सबसे छोटे अणुओं में से एक है. यह त्वचा में गहराई से समाकर प्रभावकारी असर दिखाता है, ग्लाइकोलिक एसिड युक्त उत्पाद के इस्तेमाल से काले धब्बे, मुंहासे, डलनेस, ऑयलीनेस दूर होता है और आपकी त्वचा पहले से ज्यादा जवां और निखरी नजर आती है.

इस छोटी सी ट्रिक से मिलेगा

अनचाहे बालों से छुटकारा

यूं तो महिलाएं बॉडी के अनचाहे बालों से परेशान रहती ही हैं लेकिन सबसे ज्यादा उन्हें परेशानी होती है चेहरे पर आने वाले अनचाहे बालों से. लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं. आप आसानी से चेहरे के अनचाहे बालों को हमेशा के लिए अलविदा कह सकती हैं. लेकिन इसके लिए अपनानी होगी ये ट्रिक.

सबसे पहले आप 1 टेबल स्पून ओटमील पेस्ट लें. 2 टेबल स्पून शहद लें और 2 टेबल स्पून नींबू का रस लें.

इन सभी को मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को चेहरे के उन हिस्सों पर लगाएं जहां आप अनचाहे बालों को हटाना चाहते हैं.

इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट तक लगा रहने दें.15 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें.उसके बाद चेहरे पर मॉश्चराइजर लगाएं.इस नुस्खे को सप्ताह में दो से तीन बार अपनाएं. एक महीने बाद आप खुद देखेंगे अनचाहे बाल आने बंद हो गए हैं.

धरना में शामिल होने पहुंचे भूपेश बघेल और विधायक

सहकारी कर्मचारियों के आंदोलन को पूर्व सीएम का समर्थन

प्रदेश के सांय सरकार पर साधा जमकर निशाना

लोकतंत्र प्रहरी। संवाददाता। दुर्ग. सहकारी कर्मचारियों के आंदोलन के समर्थन में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोमवार को प्रदेश के साय सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि न तो सरकार को सहकारिता की समझ हैं और न ही अधिकारियों को। इसलिए धान खरीदी और सहकारी कर्मचारियों को सरकार गंभीरता से नहीं ले रही। उन्होंने कहा कि जिस तरह से छत्तीसगढ़ के पूरे खदान और प्लांट अडाणी को दे दिया गया है,उसी तरह आने वाले समय में धान खरीदी भी अडाणी को दे दिया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल यहां संभाग मुख्यालय में कर्मचारियों के धरना पंडाल में आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे थे। बघेल ने कहा कि हमारी सरकार में सोसाइटी, किसान और मिलर को मजबूत करने का काम किया गया। सोसायटियों के मांग पर एक झटके में 240 करोड़ रुपए माफ किए गए। धान संग्रहण केंद्र में ट्रांसपोर्टिंग का नुकसान होता है और साथ ही बारदाने का भी नुकसान होता है, इसलिए इसे रोकने नियम बनाया। जब हमने धान खरीदी शुरू किया तो जो किसान खेती करना छोड़ दिए थे वे भी खेती करना शुरू कर दिए। शहर के लोग वापस गांव में आना शुरू कर दिए। कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा, अनिला भेडिया, कुंवर सिंह निषाद, गिरीश देवांगन और नीता लोधी भी समर्थन देने धरना पंडाल पहुंचे थे। इस दौरान संभाग के सभी जिले के सहकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

सांय सरकार को सहकारिता की नहीं है समझ- पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता की व्यवस्था न तो मुख्यमंत्री को समझ में आता है और न ही उनके अधिकारियों को। हमारी सरकार ने किसानों को 3 दिन में भुगतान की व्यवस्था की थी, उसको सांय सरकार ने 15 दिन कर दिया। मिलर सीधे खरीदी केंद्र से धान उठा रहे थे उसे भी बंद करके धान संग्रहण केंद्र से धान उठाव करवा रहे है। इससे खरीदी में फिर नुकसान होना तय है।

कर्मियों ने सौंपा सामूहिक इस्तीफा- सहकारी कर्मचारी चार सूत्रीय मांग को लेकर 14 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री के समर्थन के बाद सहकारी कर्मचारियों ने संभाग आयुक्त कार्यालय पहुंचकर सामूहिक इस्तीफा सौंपा। संघ के जिला अध्यक्ष जागेश्वर साहू ने बताया कि कर्मचारी अपन मांगों पर अडिग है। सरकार के दबाव की नीति के विरोध में कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा का फैसला किया है।

उद्यानिकी महाविद्यालय सोनारपाल-चपका का भवन एवं बालक-बालिका छात्रावास का भूमिपूजन संपन्न

अम्लेश्वर। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सांकरा के अंतर्गत संचालित उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, सोनारपाल-चपका बस्तर में नव-निर्मित उद्यानिकी महाविद्यालय भवन तथा बालक एवं बालिका छात्रावास भवन का भव्य भूमिपूजन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, विश्वविद्यालय के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केदार कश्यप माननीय मंत्री, वन एवं जलवायु परिवर्तन जी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी क्षेत्र में शिक्षा एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। महाविद्यालय भवन एवं छात्रावासों के निर्माण से छात्रों को बेहतर शैक्षिक वातावरण और आधुनिक सुविधाएँ प्राप्त होंगी। कार्यक्रम के अध्यक्षता क्षेत्रीय सांसद महेश कश्यप, विधायक किरण सिंह देव, जिला पंचायत बस्तर की अध्यक्ष वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत की अध्यक्ष शकुंतला कश्यप, नगर पंचायत के प्रतिनिधि तथा अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दुर्ग नगर निगम की लापरवाही के विरोध में NSUI की भूख हड़ताल, महापौर पर कार्रवाई की मांग

दुर्ग। दुर्ग नगर निगम के जलप्रदाय व्यवस्था में घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एनएसयूआई (हस्ढ्ढ) कार्यकर्ताओं ने निगम कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। कार्यकर्ताओं की मांग है कि जब तक जिम्मेदार अधिकारियों और महापौर पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

यह है पूरा मामला:- दरअसल, पिछले दिनों दुर्ग नगर निगम के जल ग्रह की भूमिगत टंकी में एक तीन दिन पुराना शव बरामद हुआ था। चौंकाने वाली बात यह है कि इसी पानी की टंकी से शहर की लगभग आधी आबादी को पेयजल की आपूर्ति की जा रही थी। इस घटना के सामने आने के बाद शहर में हड़कंप मच गया था।

पुलिस कार्रवाई न होने से आक्रोश- एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने इस घटना को निगम प्रशासन की बड़ी लापरवाही बताते हुए जनता के स्वास्थ्य और जान से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। कार्यकर्ताओं ने इस संबंध में दुर्ग कोतवाली थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी और कार्रवाई की मांग की थी।

हालांकि, पुलिस प्रशासन द्वारा कोई एक्शन नहीं लिए जाने से एनएसयूआई कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। इसी के चलते, कार्रवाई की मांग को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने निगम कार्यालय के सामने भूख हड़ताल प्रारंभ की है।

कार्यकर्ताओं का स्पष्ट कहना है कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक निगम के महापौर और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की जाती।

नाले में शव मिलने से हड़कंप

सफाई कर्मियों ने नाली सफाई के दौरान देखा पुलिस को दी सूचना दुर्ग पुलिस कर रही गंभीरता से जांच

मृतक संजय यादव 22 साल

दुर्ग। दुर्ग शहर के बांस पारा से लगे पोलसाय पारा की नाली में युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। सफाई कर्मियों ने शव को देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या के बाद शव को नाली में फेंका गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान संजय यादव 22 साल के रूप में हुई है। सोमवार की सुबह बांस पारा से लगे पोलसाय पारा में सफाई के दौरान कर्मियों की नजर नाली में शव पर पड़ी।नाली शव पड़े होने की जानकारी मिलते ही भीड़ जमा हो गई.इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई कुछ ही देर में पुलिस की टीम भी पहुंची और शव को बाहर निकलवाया।

पुलिस के साथ पहुंची फॉरेंसिक टीम नेघटनास्थल का मुआयना किया- शुरुआती जांच में शव पर चोट के निशान मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाया गया। पुलिस ने आसपास के सीसी टीवी कैमरों की जांच शुरु कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और हत्या के कारणों व आरोपियों का पता लगाने के लिए टीम गठित कर दी गई है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन. भारत ने पद से दिया इस्तीफा

बिलासपुर : छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के महाधिवक्ता प्रफु ल्ल एन.भारत ने अपने महाधिवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राज्य सरकार को पत्र लिखकर इस महत्वपूर्ण दायित्व को सौंपने के लिए आभार व्यक्त किया। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया कि राज्य सरकार की सिफारिश पर राज्यपाल द्वारा उन्हें महाधिवक्ता नियुक्त किया गया और मंत्रिमंडल ने उन्हें छत्तीसगढ़ जैसे कल्याणकारी राज्य में यह जिम्मेदारी सौंपी।

महाधिवक्ता ने अपने पत्र में महाधिवक्ता कार्यालय और बार से प्राप्त सहयोग के लिए धन्यवाद भी जताया। हालांकि, सरकार की ओर से अभी तक उनका इस्तीफा औपचारिक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है। जिसकी पुष्टि लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक संजय तिवारी द्वारा मोबाइल पर चर्चा प्रफुल्ल एन भारत से कर की गई।

दुर्ग में दो दिवसीय विशेष अभियानः घर-घर जाकर हो रहा गणना पत्रक वितरण एवं वापसी

दुर्ग। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 64 दुर्ग शहर में विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत मतदाता सूची को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित करने के लिए नगर निगम दुर्ग द्वारा गणना पत्रक वितरण एवं वापसी पर केंद्रित एक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। यह दो दिवसीय विशेष अभियान शनिवार 15 और रविवार 16 नवंबर को सुबह 7 बजे से प्रारंभ होकर पूरे दिन जारी रहेगा। इस अभियान के माध्यम से बीएलओ, निगम कर्मचारी, प्लेसमेंट स्टाफ तथा वार्ड सुपरवाइजर वार्ड-वार्ड जाकर गणना पत्रक वितरण एवं वापसी की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कर रहे हैं। टीम घर-घर पहुँचकर मतदाताओं को फॉर्म देती है, आवश्यक जानकारी समझाती है और मौके पर ही फॉर्म भरवाकर वापस संग्रहित कर रही है, जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। मतदाता सूची में सटीकता के लिए अनिवार्य दस्तावेज,गणना पत्रक की वापसी के दौरान प्रत्येक मतदाता को–2 पासपोर्ट साइज़ फोटो, आधार कार्ड की प्रति, और जन्मतिथि/जन्मस्थान प्रमाण हेतु मान्य दस्तावेज (13 विकल्पों में से कोई एक)प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इसके साथ ही वर्ष 2025 की मतदाता सूची को अंतिम रूप देने से पूर्व वर्ष 2003 की मतदाता सूची में मतदाता अथवा उसके माता-पिता के नाम का मिलान भी किया जा रहा है। यदि नाम का मिलान नहीं होता है तो नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर पहचान और पात्रता की पुष्टि करनी होगी। लक्ष्य 4 दिसंबर 2025 तक पूरा हो गणना पत्रक संकलन-नगर निगम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गणना पत्रक वितरण एवं वापसी का पूरा कार्य 4 दिसंबर 2025 तक हर स्थिति में पूरा किया जाना है।

इसे ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है और दिनभर क्षेत्रीय निगरानी की जा रही है। मतदाताओं से अपील-नगर निगम दुर्ग ने सभी पात्र मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे बीएलओ के आगमन पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएँ, सटीक जानकारी भरें और गणना पत्रक वापसी में पूरा सहयोग दें, ताकि मतदाता सूची पूर्ण रूप से अद्यतन और त्रुटिरहित तैयार हो सके।

नशा मुक्ति पर स्व. बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय में हुए विभिन्न कार्यक्रम

कुम्हारी। स्वर्गीय बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय कुम्हारी में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सोनिता सत्संगी के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालय के सभी कर्मचारी, छात्र-छात्राओं एवं सहायक अध्यापकों ने नशा मुक्त भारत अभियान के एनमबीए की पोर्टल पर जाकर शपथ ग्रहण की और शपथ प्रमाण पत्र प्राप्त किया। इसके साथ ही प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। क्विज प्रतियोगिता में धीरज साहू (प्रथम), डाली यादव (द्वितीय) एवं श्रुति बंदे (तृतीय) को पुरस्कृत किया गया। भाषण प्रतियोगिता में योगेश्वरी सोनकर (बीएससी प्रथम वर्ष), लिसा साहू (बीएससी प्रथम वर्ष) एवं जया देवांगन (बीएससी तृतीय सेमेस्टर) क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी कर्मचारीगण, सहायक प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं का सहयोग सराहनीय रहा। संपूर्ण कार्यक्रम यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी एवं एंटी ड्रग कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डॉ एन. जयश्री सहायक प्राध्यापक द्वारा सभी का आभार प्रदर्शन किया गया।

मोबाइल टावरों पर निगम की सख्ती 7 दिन में कराएं नवीनीकरण, नहीं तो होगी कार्रवाई

राजस्व वसूली में लापरवाही पर आयुक्त नाराज़, अवैध टावरों पर गिरेगी गाज

दुर्ग। नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा शाम 4 बजे डाटा सेंटर दुर्ग में राजस्व विभाग, लायसेंस विभाग में वसुली एवं वसुली पर की कार्यवाही के संबंध में समीक्षा बैठक आहुत की गई है, उक्त बैठक में राजस्व वसुली लक्ष्य के अनुरूप नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा आयुक्त द्वारा बैठक में निर्देशित किया गया कि नगर निगम दुर्ग सीमा क्षेत्रान्तर्गत स्थापित मोबाईल टावरों का विगत कई वर्षो से नवीनीकरण नही होने से मोबाईल टावर संचालको द्वारा अवैध रूप से बैगर नवीनीकरण के संचालन किया जा रहा है, जो कि नियमों के विपरीत है, साथ ही यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि कुछ मोबाईल टावर अवैध रूप से बिना निगम से अनुमति प्राप्त किये संचालित किया जा रहा है।

सभी प्रकार के मोबाईल टावर संचालको को नोटिस दिया जा रहा है, कि वे अवैध मोबाईल टावर को वैध कराने / नवीनीकरण कराने हेतु निगम के लायसेंस शाखा में संपूर्ण दस्तावेज 7 दिवस के भीतर जमा कर अवैध टावरो को वैध कराने की कार्यवाही करा लेवे अन्य मोबाईल टावरो को चिन्हकित कर बिजली कनेक्शन विच्छेद करने की कार्यवाही करते हुए भूमि स्वामी / भवन स्वामी के विरूध्द भी कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी। जिसके लिये मोबाईल टावर संचालक स्वयं जिम्मेदार होगें। आयुक्त ने सभी मोबाईल टावर संचालको से अपील की है, कि निर्धारित समय पर निगम से अनुमति प्राप्त करे अन्यथा निगम मोबाईल टावरो को जप्त करने की कार्यवाही करेगी। उक्त समीक्षा बैठक में राजस्व अधिकारी आर के बोरकर, सहायक राजस्व अधिकारी थान सिंह यादव, राजस्व उपनिरिक्षक निशांत यादव, संजय मिश्रा एवं सभी सहायक राजस्व निरीक्षक उपस्थित थे।

सेवा सहकारी समितियों में हड़ताल के बाद भी सुचारू रूप से शासन ने की धान खरीदी का सुभारंभ

अम्लेश्वर। दुर्ग जिला अंतर्गत पाटन विधान सभा क्षेत्र के उत्तर पाटन के धान खरीदी केन्द्र में सिर्फ सांकरा और औंधी में हुआ धान खरीदी का शुभारंभ। आपको बता दें छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा 15 नवंबर से सेवा सहकारी समितियों में धान की खरीदी की जा रही है। औंधी में 378 क्विंटल, सांकरा में 28 क्विंटल धान खरीदी कर शुभारंभ किया गया। जंहा सेवा सहकारी समिति औंधी के अध्यक्ष खिलावन वर्मा, सांकरा अध्यक्ष मनबोध साहू द्वारा भगवान बलराम एवं छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना पश्चात खरीदी प्रारंभ किया गया।हालाकि कंप्यूटर ऑपरेटरो की हड़ताल लगातार जारी है फिर भी शासन ने सुचारू रूप से धान खरीदी के लिए प्लेसमेंट कर्मचारियों के भर्ती कर खरीदी चालू कर दिया गया है। कई जगह कंप्यूटर ऑपरेटर नही पहुंच रहे हैं दूरी के कारण तो कई जगह पदस्थ भी हो गए है। वही समिति प्रबंधक रोहित वर्मा ने खरीदी को लेकर पूरी व्यवस्था होने की जानकारी दी है।किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो जिसका पूरा ख्याल रखने की बात भी कही है। इस अवसर पर समिति प्रबंधक रोहित वर्मा, ठेकेदार भुनेश्वर साहू, किसान विजय साहू, गोविंद शर्मा, सुरेश चंद्राकर, लखन सिंगौर,पुनीत पटेल सहित किसान मौजुद रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com